साप्ताहिक हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 70 | जौनपुर, सोमवार, 28 अक्टूबर 2024 | साप्ताहिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

केंद्र बम की झूठी धमकी देने वालों की हवाई यात्रा पर रोक लगाने पर उठा रहा कदम - उड्डयन मंत्री

विशाखापत्तनम, एजेसी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि केंद्र सरकार उन लोगों पर प्रतिबंध लगाने के लिए कदम उठाने पर विचार कर रही है जो बम की झूठी धमकी देते हैं। विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा के बीच दो उड़ानों का औपचारिक उद्घाटन करने के बाद मंत्री ने कहा कि इन फर्जी खतरों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, कानून प्रवर्तन शाखाओं और खुफिया ब्यूरो से सहायता लेने के अलावा केंद्र सरकार दो नागरिक विमानन कानूनों में संशोधन करने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम इन घटनाओं को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, खुफिया ब्यूरो की भी मदद ले रहे हैं। हम दो नागरिक उड्डयन कानूनों में बदलाव लाने की योजना बना रहे हैं।'' नायडू ने कहा, '' जो लोग इस तरह की गतिविधियों में शामिल होंगे, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी और जुर्माना लगाया जाएगा। हम ऐसे लोगों की हवाई यात्रा को प्रतिबंधित करने भरने से रोकने के लिए भी कदम उठा रहे हैं। हम आने वाले दिनों में इसकी घोषणा करेंगे।

गंगा-जमुनी तहजीब, दिल्ली की एकता का प्रतीक - सीएम

नयी दिल्ली, एजेसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने महरौली के ऐतिहासिक जहाज महल में 'फूल वालों की सैर' के समापन समारोह में शामिल हुईं और राष्ट्रीय राजधानी की गंगा-जमुनी तहजीब को बनाए रखने व विविधता में एकता को बढ़ावा देने में इस त्यौहार की भूमिका पर जोर दिया। आतिशी ने कहा, 'फूल वालों की सैर' महज एक त्यौहार नहीं है। यह त्यौहार, दिल्ली की गंगा-जमुनी तहजीब की सदियों पुरानी परंपरा को कायम रखता है और मानवता का संदेश फैलाता है।'' सभी समुदायों को साथ लाने वाले इस प्रसिद्ध त्यौहार में पूरे भारत से आए कलाकारों ने प्रस्तुति दी और कव्वाली ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। आतिशी ने सभा को संबोधित करते हुए दिल्ली में अपनी बचपन की यादें साझा कीं और शहर की एकजुटता की भावना को रेखांकित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में पली-बढ़ी आतिशी ने एक ऐसे माहौल का अनुभव किया, जहां विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के त्यौहार सामूहिक रूप से मनाए जाते हैं। आतिशी के माता-पिता दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। उन्होंने कहा, ''लंबे समय तक मुझे यह भी नहीं पता था कि कौन सा त्यौहार किस धर्म से संबंधित है।

एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति करने की राह पर - पीएम

नई दिल्ली, एजेसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 115वें एपिसोड में एनिमेशन सेक्टर को भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया। पीएम के मुताबिक एनिमेशन और गेमिंग ने तरक्की की राह पर हमें आगे बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से दिवाली पर वोकल फॉर लोकल रहने की सलाह भी दी और आत्मनिर्भर भारत की सुनहरी तस्वीर पेश की। इस दौरान पीएम ने एनिमेशन सेक्टर की ताकत से भी रूबरू कराया। पीएम मोदी ने कहा, एनिमेशन सेक्टर आज एक ऐसी इंडस्ट्री का रूप ले चुका है जो दूसरी इंडस्ट्री को ताकत दे रहा है। जैसे इन दिनों वीआर टूरिज्म के जरिए आप वर्चुअल टूर

करके अजंता की गुफा देख सकते हैं, वाराणसी के घाटों का आनंद ले सकते हैं, कोणार्क मंदिर के कॉरिडोर में टहल सकते हैं। ये सभी वीआर एनिमेशन भारत के क्रिएटर्स ने तैयार किए हैं। पीएम ने कहा, स्मार्ट फोन से लेकर सिनेमा स्क्रीन तक, गेमिंग कंसोल से लेकर वर्चुअल रियलिटी तक, एनिमेशन हर जगह मौजूद है। एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति करने की राह पर है। भारत के गेमिंग स्पेस का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। इंडियन गेम्स भी इन दिनों दुनिया भर में पॉपुलर हो रहे हैं। पीएम ने कहा, एनिमेटर्स के साथ ही इस सेक्टर में आज गेम डेवलपर, स्टोरी टेलर, वॉइस ऑवर कलाकारों की मांग भी बढ़ती जा रही है। इसी के चलते पीएम मोदी ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा, अपनी क्रिएटिविटी को विस्तार दें, क्या पता दुनिया का अगला सुपरहिट एनिमेशन आपके कंप्यूटर से निकले, अगला फेमस गेम आपका बनाया हुआ हो सकता है। 28 अक्टूबर को वर्ल्ड एनीमेशन डे मनाया जाएगा। हम भारत को ग्लोबल एनिमेशन पावर हाउस बनाने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात के दौरान मुझे इंडियन गेम्स की अद्भुत क्रिएटिविटी और क्वालिटी को जानने-समझने का मौका मिला।

कोई न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं, शब्दों में बदलाव जरूरी - उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को न्यायपालिका के संदर्भ में महत्वपूर्ण टिप्पणियां की। उपराष्ट्रपति का कहना है कि न्यायपालिका हमारे देश का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, इसमें सबऑर्डिनेट शब्द की कोई जगह नहीं है। कोई भी न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं, इसमें बदलाव होना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका पर टिप्पणी करते हुए कहा, ''जब मजिस्ट्रेट या जिला जज फैसला लिखता है, उनके मन में एक शंका रहती है कि मेरे फैसले पर क्या टिप्पणी होगी। वह फैसला उसके भविष्य को निर्वहन करता है। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि कॉर्पोरेट्स को लोकल अदालतों में

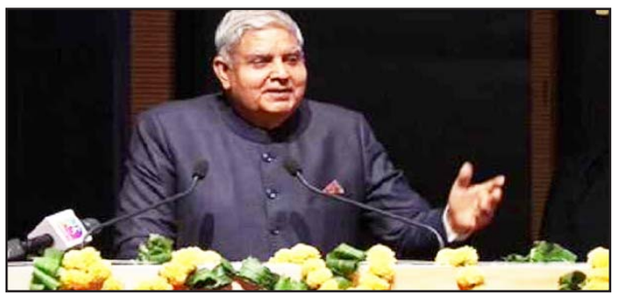

इन्वेस्ट करना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि उद्योगपति एवं कॉर्पोरेट समूहों को अन्य संस्थानों को प्रदान की जाने वाली सहायता की तर्ज पर न्यायपालिका के कार्यान्वयन में भी सहायता प्रदान करनी चाहिए। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट्स के पास सीएसआर फंड है और उनको लोकल अदालतों में इन्वेस्ट करना चाहिए। उपराष्ट्रपति रविवार को राजस्थान के जयपुर में एआईआर पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अधिवक्ता संघ को संबोधित कर रहे थे। संसद में कानून पारित कर नागरिक संहिता में हुए परिवर्तन पर बोलते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने वाली एक महत्वपूर्ण घटना बताया। उन्होंने इसे दंड विधान से न्याय विधान की यात्रा बताते हुए कहा कि लंबे समय की मांग के बाद अंग्रेजों द्वारा बनाए गए इन कानूनों को निरस्त किया गया है, जो नए वकीलों के लिए एक वरदान है। भारतीय न्याय संहिता सहित तीन कानूनों के पारित होते समय राज्यसभा के सभापति के रूप में स्वयं की उपस्थिति के अनुभवों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एक बहुत शक्तिशाली समिति ने इन कानूनों के प्रत्येक प्रावधान पर विचार किया। उन्होंने इसके साथ ही यह भी कहा।

पश्चिम बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती - शाह

कोलकाता, एजेसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल में भारत- बांग्लादेश सीमा पर पेट्रापोल भू पत्तन पर एक नए यात्री टर्मिनल भवन और एक 'मैत्री द्वार' उद्घाटन किया। इस उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ बंद होने पर ही पश्चिम बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आयी तो पड़ोसी देश से अवैध आव्रजन रोका जाएगा। अमित शाह ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस की आलोचना की। इसी के साथ उन्होंने राज्य की जनता से 2026 में राजनीतिक बदलाव लाने का आह्वान किया। शाह ने कहा, क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भू पत्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, तो आवाजाही के अवैध तरीके सामने आते हैं, जिसका असर देश की शांति पर पड़ता है। मैं बंगाल के लोगों से आग्रह करता हूं कि 2026 में परिवर्तन लाएं और हम घुसपैठ रोकेंगे तथा शांति स्थापित करेंगे। गृह मंत्री ने भूमि बंदरगाहों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ये न केवल दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देते हैं, बल्कि कानूनी आवागमन का भी एक सशक्त माध्यम हैं। शाह ने आगे कहा कि घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति आ सकती है। दोनों देशों के बीच संबंध तथा संपर्क सुधारने में भूमि बंदरगाह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध भी बढ़ाते हैं।

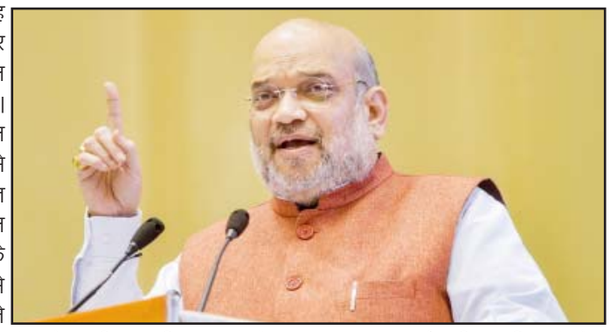

युवा 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देने के लिए अपना योगदान दें - सिन्हा

जम्मू-कश्मीर, एजेसी। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं से गतिशील और प्रतिस्पर्धी माहौल और ज्ञान मंचों का लाभ लेकर जीवन में नये लक्ष्य तय करने की अपील की। यहां शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) में छात्र अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि इस महान राष्ट्र के युवाओं के रूप में उन्हें ''विकसित भारत 2047'' के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देने में अपना योगदान देना चाहिए। उप राज्यपाल ने कहा, ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा का लक्ष्य केवल संख्या और रैंकिंग तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य बेहतर मनुष्य और भविष्य के नेताओं का निर्माण करना भी है, जो शिक्षा क्षेत्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटेंगे।'' सिन्हा ने विद्यार्थियों को कुशल बनाने में तथा कक्षा से परे सीखने को बढ़ावा देने में स्कूल शिक्षा विभाग, शैक्षणिक संस्थानों और शिक्षण समुदाय की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''हमारा ध्येय आजीवन सीखने के कौशल, रचनात्मकता, जिज्ञासा, समस्या समाधान और आलोचनात्मक सोच पर होना चाहिए। इससे प्रतिभाशाली युवाओं को मूल्यवान और विशेष कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी, जो उन्हें भविष्य की सभी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम बनाएगा।

आज हम आतंकवाद से लड़ने में अग्रणी - जयशंकर

मुंबई, एजेसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मुंबई में कहा। इस दौरान उन्होंने कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई थी, लेकिन यदि ऐसी घटना दोबारा हुई तो अब ऐसा नहीं होगा। बता दें, महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है और मतदान 20 नवंबर को होगा तथा नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। जयशंकर ने कहा, श्मुंबई भारत और दुनिया के लिए आतंकवाद-रोधी अभियान का प्रतीक है। हम आतंकवाद-रोधी समिति के अध्यक्ष थे। हमने पहली बार सुरक्षा परिषद की बैठक मुंबई के उस होटल में की थी, जहाँ आतंकवादी हमला हुआ था। जयशंकर ने कहा, लोग जानते हैं कि भारत आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। हम आज आतंकवाद से लड़ने में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा,

जब हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की बात करते हैं, तो यह स्पष्ट है कि जब कोई कुछ करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। यह स्वीकार्य नहीं है कि आप दिन में सौदेबाजी कर रहे हों और रात में आतंक में लिप्त हों और मुझे दिखावा करना पड़े कि सब कुछ ठीक है। अब भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। यही बदलाव है। जयशंकर ने कहा, श्हम आतंकवाद को उजागर करेंगे और जहां हमें कार्रवाई करनी होगी, हम कार्रवाई भी करेंगे।श जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत और चीन जल्द ही लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त फिर से शुरू करेंगे, जिससे अप्रैल 2020 में सीमा गतिरोध शुरू होने से पहले की व्यवस्था बहाल होगी। जयशंकर ने कहा, हमें उम्मीद है कि डेमचोक और देपसांग जैसे क्षेत्रों में 31 अक्टूबर, 2020 से पहले की गश्त व्यवस्था बहाल हो जाएगी। इसमें कुछ समय लगेगा। जयशंकर ने निवेश को महाराष्ट्र से गुजरात ले जाने के आरोपों को रविवार को खारिज करते हुए कहा, पिछले 10 वर्ष में सभी परियोजनाएं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के पास नहीं आयी हैं। निवेशकों का अपना हिसाब-किताब होता है और वे ऐसी राज्य सरकार का चुनाव करेंगे जो सक्षम और कुशल हो।

झारखंड में बीजेपी को अच्छे नतीजों की उम्मीद

गुवाहाटी, एजेसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए जीत हासिल करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन भाजपा को सत्ता में आने की ''उम्मीद'' है। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के सह-प्रभारी शर्मा ने यह भी कहा कि वह वहां चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और असम में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं यहां उपचुनावों पर नजर नहीं रख पा रहा हूं। मैं झारखंड में बहुत व्यस्त रहा हूं।'' शर्मा ने झारखंड में भाजपा की जीत की संभावनाओं पर कहा कि यह चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन ''हमें वहां अच्छे नतीजों की उम्मीद है।

झारखंड विधानसभा चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरण में होंगे और मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

उन्होंने कहा कि असम के मंत्री, विधायक और भाजपा का राज्य नेतृत्व पूर्वोत्तर राज्य में पांच विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए प्रचार कर रहे हैं। शर्मा ने कहा, ''मैं इस बारे में निश्चित तौर पर नहीं कह सकता कि मैं इस बार यहां प्रचार करूंगा या नहीं। अगर मैं समय निकाल पाया तो शायद एक या दो जगहों पर प्रचार करूंगा।''

सेबी जैसी संवैधानिक संस्था में भ्रष्टाचार से गड़बड़ा रहा है आर्थिक आधार - राहुल

नई दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं का पतन करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इससे भाई भतीजावाद और भ्रष्टाचार ही नहीं बढ़ा है बल्कि सेबी जैसी संस्थाओं में गड़बड़ी होने लगी है जिससे अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंच रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यहां जारी एक बयान में शनिवार को कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर हमला सबसे ज्यादा खतरनाक है। इससे देश की अर्थव्यवस्था में भ्रष्टाचार जड़ जमा रहा है और देश की विकास का आधार खोखला हो रहा है। उन्होंने कहा,''संस्थागत पतन ने देश में भाई- भतीजावाद को बढ़ावा दिया है और हमारी अर्थव्यवस्था अब प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने की बजाय एकाधिकार को बढ़ावा दे रही है।

छोटे और मध्यम व्यवसाय प्रतिगामी कर प्रणाली में फंस गए हैं, उद्यमियों को संघर्ष करना पड़ रहा है और खुदरा निवेशक अनिश्चित और असुरक्षित बाजार की ओर देख रहे हैं। अर्थव्यवस्था का यह माहौल समृद्धि और नवप्रवर्तन को सक्षम तथा प्रभावी बनाने वाला नहीं है।'' श्री गांधी ने प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड- सेबी प्रमुख मधुबी बुच पुरी पर लगे आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा,''माधवी बुच का घोटाला इस बात का उदाहरण है कि जब संस्थाएं ध्वस्त हो जाती हैं और भाईचारा हावी हो जाता है तो क्या होता है। जिन लोगों को आम भारतीयों और उनके निवेशों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों से इनकार कर दिया है और वे लोग खुद ही व्यापक पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार और कदाचार में लिप्त हैं। इस घोटाले पर अब तक जो जानकारी सामने आई है वह बस एक शुरुआत भर है। भ्रष्टाचारियों को बचाने का काम एक बड़ा सिंडिकेट कर रहा है।'' उन्होंने कहा,''कांग्रेस पार्टी लगातार इन मुद्दों को उठा रही है, कई घोटालों की जांच कर रही है और सच्चाई को उजागर कर रही है।'' कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने इस मुद्दे पर सवाल किया,''शेयर बाजार में 10 करोड़ छोटे और मझोले निवेशकों की मेहनत की कमाई में हेराफेरी कौन कर रहा है। सेबी चेयरमैन पर लगे घोटालों को लेकर उन्हें संसदीय जांच से क्यों बचा रही है। सवाल यह भी है कि नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मजबूत बाजार नियामक सेबी की पवित्रता और अखंडता को नष्ट कर क्यो जर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के 78 साल के दौरान देश में किसी सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं के साथ समझौता नहीं किया।

दीपावली पर वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दें - सीएम मोहन यादव

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को दीपों के पर्व दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहित करने की अपील की है। सीएम ने प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई देते हुए कहा सभी के जीवन में श्री महालक्ष्मी जी की कृपा बनी रहे। उन्होंने कहा कि दीपावली पर सभी के मन में श्वोकल फॉर लोकलश का भाव रहना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सभी को वोकल फॉर लोकल के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि दीया-बाती बनाने वालों, साफ-सफाई व श्रृंगार की सामग्री बनाने वालों और ऐसी ही गतिविधियों में स्थानीय स्तर पर लगे व्यक्तियों और उनके परिवारों से मिलकर, दीपावली पर्व के उत्साह

और उल्लास का प्रकटीकरण होता है। भगवान श्रीराम ने भी सभी लोगों के साथ मिलकर सभी के कल्याण की कामना के साथ अपना राज्य चलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी स्थानीय सामग्री के उपयोग को प्रोत्साहित करते हैं। सीएम ने कहा कि हम सबका यह सामूहिक प्रयास हो कि गरीब और मजदूर परिवार का कोई भी सदस्य भूखा न रहे, सबके जीवन में दीपावली का आनंद हो।

संपादकीय

लापरवाही से बढ़ते दिल के जोखिम

भारत में हृदय रोग जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या बन गया है और इस रोग के कारण मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बढ़ते शहरीकरण, सुस्त जीवन शैली, गलत खानपान, शारीरिक श्रम के अभाव और तनाव के कारण हृदय रोग के मामले बढ़ रहे हैं। दो दशक में हृदय रोगों के मामले काफी बढ़े हैं। हाल के वर्षों में युवाओं में इसका असर बढ़ा है। विवाह समारोहों में नाचते–गाते युवाओं की अचानक मौत हर किसी को चिंता में डाल रही है। हाल में जारी एक रपट में भी जो तथ्य सामने आए हैं, उससे हमारे देश में हृदय रोग की गंभीरता का पता चलता है। श्एवरी बीट काउंट्सश अर्थात श्प्रत्येक धड़कन मायने रखती हैश नामक इस रपट के मुताबिक दिल का दौरा पड़ने से दुनिया में जितने लोग मरते हैं, उनमें से बीस फीसद मौत अकेले भारत में होती है। भारत में हृदय रोगों से मृत्यु दर काफी ज्यादा है। हमारे देश के ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों में मृत्यु दर अधिक है। । ग्रामीण क्षेत्रों में में हृदय रोग से हर एक लाख में से दो सौ लोग मर जाते हैं, जबकि शहरों में हर एक लाख लोगों में से 450 की मौत होती है। । रपट में यह भी बताया गया है कि भारत में होने वाली कुल मौत में 24.5 फीसद मृत्यु हृदय संबंधी बीमारियों की वजह से होती है। बंगाल और पंजाब में तो स्थिति और गंभीर है। इन राज्यों में हृदय रोगों के कारण 35 फीसद से ज्यादा लोगों को जिंदगी गंवानी पड़ रही है। देश में हृदय रोग की गंभीरता को दर्शाने वाली इस रपट से पहले भी ऐसे शोध और अध्ययन सामने आ चुके हैं, जिनसे दिल पर बढ़ रहे संकट के बारे में पता चलता है। इसी साल अगस्त में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) और दिल्ली एम्स के साझा चिकित्सा अध्ययन में भी हृदय रोग के बढ़ते खतरे के बारे में बताया गया है। इसमें बताया गया है कि आगामी दस वर्षों यानी 2034 तक देश की पंद्रह फीसद आबादी को हृदय रोगों का जोखिम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और हृदय रोग को लेकर शोध एवं अनुसंधान करने वाले दुनिया के बड़े संस्थान हृदय रोग के बारे में समय–समय पर रपट जारी करते रहते हैं। ऐसी रपटें जन साधारण को हृदय रोगों के प्रति सजग करने के लिए होती हैं। पिछले साल श्वर्ल्ड हार्ट फेडरेशनश की एक रपट में बताया गया था कि हृदय रोग विश्व में होने वाली मौत का प्रमुख कारण है। इस रोग से विश्व में वर्ष 1990 में जहां 1.21 करोड़ लोगों की मौत हुई, वहीं यह आंकड़ा 2021 में चढ कर 2.05 करोड़ हो गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट में भी दिल से जुड़ी बीमारियों को मौत का सबसे बड़ा कारण बताया गया है। इस रपट के अनुसार वर्ष 2019 में विश्व में 1.79 करोड़ लोगों की मौत हृदय संबंधी बीमारियों की वजह से हुई। यह गंभीर बात है कि एक जमाने में हृदय रोग बुजुर्गों में ही पाया जाता था, लेकिन अब यह युवाओं और बच्चों तक को अपना ग्रास बना रहा है। 30 से 40 वर्ष के लोगों में हृदय रोग का जोखिम तेजी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञ खराब खानपान, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू सेवन और ज्यादा शराब पीने को हृदय रोग और दौरे के सबसे व्यावहारिक जोखिम मानते हैं इसके लक्षण बढ़े हुए रक्तचाप, बढ़े हुए रक्त ग्लूकोज और अधिक वजन तथा मोटापे के रूप में नजर आ सकते हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इन जोखिम कारकों को प्राथमिक देखभाल सुविधाओं में मापा जा सकता है और इनसे दिल के दौरे और अन्य जटिलताओं के बढ़ते जोखिम का संकेत मिलता है। चिकित्सकों का कहना है कि तंबाकू का सेवन बंद करने, आहार में नमक कम करने, अधिक फल एवं सब्जियां खाने, नियमित शारीरिक गतिविधि और शराब से बचने से हृदय रोग के जोखिम को कम किया जा सकता है, लेकिन लोग इस मामले में लापरवाह दिखाई पड़ते हैं। लोगों में जहां शराब पीने की लत बढ़ रही है, वहीं आरामतलब जिंदगी के प्रति रुझान भी बढ़ता रहा है। यही समस्या की जड़ है। चिकित्सक बताते हैं कि हृदय संबंधी जोखिम कम करने और दिल के दौरे रोकने के लिए उच्च रक्तचाप, मध्ुमेह और हाई कोलेस्ट्रोल का उपचार जरूरी होता है, लेकिन इसके प्रति ज्यादातर लोग लापरवाह ही नजर आते हैं। यहां तक कि अक्सर लोग सीने में दर्द या बेचौनी, बाएं कंधे, कोहनी, जबड़े या पीठ में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, उल्टी, चक्कर आने या बेहोशी और पसीना आने जैसे सामान्य लक्षणों को भी नजरअंदाज कर देते हैं। उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन भी हृदय रोग की वजह हो सकता है, लेकिन हैरानी है कि लोग इसके प्रति भी जागरूक नहीं हैं। 'इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्चश और श्नेशनल सेंटर फार डिजीज इंफार्मेटिक्स एंड रिसर्चश के एक राष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता कि उच्च रक्तचाप से पीड़ित होने के बावजूद 70 फीसद से अधिक लोग इस बारे में नहीं जानते। यह अध्ययन 10,593 वयस्कों पर आधारित था, इनमें से 28. 5 फीसद लोगों का रक्तचाप उच्च पाया गया। 27.9 फीसद लोगों को अपने उच्च रक्तचाप से ग्रस्त होने के बारे में पता था। जबकि 72.1 फीसद इससे अनजान थे। वहीं 14.5 फीसद का इलाज चल रहा था। सर्वेक्षण में शामिल 47.6 फीसद लोगों ने माना कि उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी भी उच्च रक्तचाप की जांच नहीं करा रहे । 2025 तक हृदय रोगों से होने वाली समय पूर्व मृत्यु दर को 25 फीसद तक कम करने के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करना कठिन लग रहा है। भारत में हृदय रोगों के प्रति जन जागरूकता लाने की आवश्यकता है। आम लोगों में हृदय रोग और उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान और शराब के सेवन के प्रति सजग करना भी जरूरी है।

दोनों देशों के बीच तनाव दूर होना स्वागतयोग्य

संजय

चार वर्ष पहले जब चीनी सेना ने लद्दाख में गलवन घाटी में घुसपैठ की थी तो उसकी भारतीय सैनिकों से खूनी झड़प हुई थी। इस झड़प में 20 भारतीय सैनिक बलिदान हुए थे और चीनी सेना को भी अच्छी–खासी क्षति उठानी पड़ी थी। यह बात और है कि चीन ने यह नहीं बताया कि उसके कितने जवान भारतीय सैनिकों के हाथों मारे गए। इस घटना के बाद चीन और भारत के संबंध पटरी से उतर गए। कुछ समय बाद गलवन घाटी और आसपास तो पहली जैसी स्थिति बहाल हो गई थी, लेकिन चीनी सेना ने लद्दाख में ही अन्य स्थानों और विशेष रूप से देपसांग और डेमचोक में अतिक्रमणकारी रवैया अपना लिया। इसी कारण चीन जाने वाली अपनी विमान सेवाओं को बंद कर करने के साथ उसके खिलाफ जो अन्य कदम उठाए गए, उन्हें वापस लेने के लिए भारत तैयार नहीं हुआ। इन कदमों में चीनी निवेश पर रोक लगाना और चीनी कारोबारियों को वीजा देने के नियम सख्त करना भी था। सीमा पर तनाव के चलते भारत और चीन में आर्थिक–व्यापारिक सहयोग की पहल भी ठंडे बस्ते में चली गई। जहां भारत का जोर इस पर था कि सीमा पर चार वर्ष पहले वाली स्थिति बहाल की जाए, वहीं चीन का आग्रह था कि सीमा विवाद भूलकर आगे बढ़ा जाए। यह चीन की चालाकी थी। भारत ने उसकी चालबाजी को

समझा और अपने रवैये से टस से मस नहीं हुआ। इसी के चलते पिछले दिनों ब्रिक्स सम्मेलन के पहले चीन नियंत्रण रेखा पर चार वर्ष पहले वाली स्थिति बहाल करने को राजी हुआ और दोनों देशों में इसे लेकर सहमति बनने की खबर आई–पहले भारत की ओर से, फिर चीन की ओर से। इस सहमति के कारण ही रूस में भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों बाद द्विपक्षीय वार्ता हुई, जिसमें सीमा पर यथास्थिति कायम रखने पर बल दिया गया। भारत–चीन में बनी सहमति को लागू करने के लिए दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। आशा है कि इसी माह के अंत तक यथास्थिति बहाल हो जाएगी।

भारत और चीन में सैन्य तनाव घटाने को लेकर जो सहमति बनी, उसे लेकर किस स्तर पर क्या बात हुई, यह तो शायद ही कभी सामने आए, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव दूर होना स्वागतयोग्य है। इसके बाद भी बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि चीन अपने विस्तारवादी एजेंडे के तहत रह–रहकर नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में बदलाव की कोशिश करता रहता है। अभी यह नहीं कहा जा सकता कि वह आगे भारत को तंग करने के प्रयास नहीं करेगा। इस पर हैरानी नहीं कि सैन्य तनाव घटाने को लेकर सहमति बनने के बाद देश में यह स्वर आम है कि चीन से सावधान रहा जाना चाहिए। यह मानने के अच्छे–भले कारण हैं कि नियंत्रण रेखा पर चीन इसलिए पीछे हटने को तैयार हुआ, क्योंकि उसे अपने आर्थिक हितों की रक्षा करने में कठिनाई पेश आ रही थी। चीनी कारोबारियों को भारत में निवेश करने में समस्या तो हो ही रही थी, चीन इससे भी चिंतित था कि भारत उसके विस्तारवादी एजेंडे के खिलाफ पश्चिमी देशों का सहयोग ले रहा है और उसके यहां से होने वाले आयात को कम करने की कोशिश भी कर रहा है। भारत यह कोशिश अवश्य कर रहा था, लेकिन वह उसमें बहुत सफल नहीं हो पा रहा था। तमाम उपायों के बाद भी चीन से होने वाले आयात में कमी नहीं आ पा रही थी। भारत से चीन को होने वाले निर्यात में भी कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो पा रही थी। इसके अलावा कारोबार जगत में यह महसूस किया जा रहा था कि भारतीय उद्योगों को आगे बढ़ने के लिए चीनी निवेश का सहारा चाहिए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गलवन की घटना के बाद चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की तमाम बातों के बाद भी भारतीय कारोबारी चीनी कारोबारियों का सामना करने की स्थिति में नहीं आ पाए। आज शायद ही कोई भारतीय उदयोग ऐसा हो, जिसकी निर्भरता चीन से आयात होने वाले कलपुर्जों या अन्य उत्पादों पर न हो। चीन भारत के कारोबारियों की जरूरत की प्रत्येक सामग्री उपलब्ध कराने में जिस आसानी से सक्षम है, उतनी सक्षमता अन्य किसी देश में नहीं। इसी कारण भारतीय कारोबारियों को चीन पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस निर्भरता का संज्ञान भारत सरकार के अर्थशास्त्रियों ने भी लिया और पिछले आर्थिक सर्वे में यह कहा गया कि भारत को चीन से आयात बढ़ाए बिना चीनी निवेश के लिए अपने दरवाजे खोलने चाहिए। इस सर्वे के अनुसार ऐसा करके भारत ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। आज यदि चीन ग्लोबल सप्लाई चेन का केंद्र है तो इसीलिए कि उसके कारोबारी अपने उत्पादों की गुणवत्ता विश्वस्तरीय बनाने में सक्षम हो गए हैं। भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन का हिस्सा बनने की जरूरत है। इसके लिए चीनी निवेश की मदद ली जा सकती है, लेकिन इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि चीनी वस्तुओं के आयात के कारण चीन के साथ व्यापार घाटा और न बढ़ने पाए। सीमा पर सैन्य तनाव दूर होने के बाद चीन के साथ संबंध सामान्य करने के नाम पर ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए, जिससे वह अपने आर्थिक–व्यापारिक एजेंडे को पूरा करने में समर्थ हो जाए। इससे इन्कार नहीं कि मोदी सरकार ने पिछले चार सालों में देश में मैन्ध्यूफैक्च्रिंग को बढ़ावा देने के लिए पीएलआइ स्च्कीम और मेक इन इंडिया के जरिये तमाम उपाय किए, लेकिन उनका असर कुछ ही सेक्ष्टरों में दिख रहा है और अभी यह नहीं कहा जा सकता कि ये सेक्ष्टर चीन से आ रहे कच्च्चे माल या उपकरणों पर निर्भर नहीं हैं। इसका एक कारण देश के पूंजीपतियों का रवैया है, जो रिसर्च और डेवलपमेंट में निवेश करने और अपने उत्पादों की गुणवत्ता विश्वस्तरीय बनाने को प्रतिबद्ध नहीं। हमारे पूंजीपतियों की यही कमी चीन को भारत में आर्थिक–व्यापारिक तौर पर अपनी पकड़ बरकरार रखने का मौका दे रही है। भारत को नियंत्रण रेखा पर सतर्क रहने के साथ इससे भी सावधान रहना होगा कि चीन उस पर आर्थिक रूप से हावी न होने पाए।

पराली दहन से उत्पन्न प्रदूषण के निवारण का उपाय भी सोंचे

(प्रोफे० जी० सी० पाण्डेय
उ०प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरणविद)

पराली दहन से होने वाले प्रदूषण से कैसे निपटा जाये की वकालत किया जा रहा है परन्तु उचित, सम्भव कार्यवाही में असंवेदनहीनता दिखाई दे रही है। यह शासन/सरकार या किसानों को दोष है या किसी और का है? दोष किसी का हो परन्तु प्रदूषण से तो आम जन–मानस ही झेलकर बीमार हो रही है। विगत कई सालों से दिल्ली, एन०सी०आर०, हरियाना, उ०प्र० एवं अन्य जगहों की वायु गुणवत्ता जहरीली हो रही है। इस वर्ष भी लगातार पराली दहन से, अक्टूबर माह से प्रदूषण सामने आ रही है। गर्मी के बाद तापमान में गिरावट तो मिली परन्तु दीवाली के ठीक पहले बड़े शहरों की वायु गुणवत्ता खतरनाक स्थिति में पहुंच गयी है जिससे पर्यावरण एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है। जैसे–जैसे ठंड आयेगी हवा भी बड़े शहरों की जहरीली होने लगेगी। कुछ दिनों से दिल्ली से धूल विरोधी अभियानों के तहत जुर्माना लगाया जा रहा है तथा सार्वजनिक निर्माण के नियमों को लागू किया जा रहा है लेकिन प्रदूषण की समस्या का हल हर साल दीवाली के समय विकराल रूप से सामने आना इससे निपटने की रणनीतियों में दीर्घकालिक वीजन के बजाय फौरी उपायों पर अत्याधिक निर्भरता को भी दर्शाता है। धान या अन्य फसल काटते समय पराली काट लेना असम्भव कैसे है? प्रत्येक साल पराली पर दो महीने की और पटाखों/आतिशबाजी पर हफते भर हाय–तोबा के बाद 10–12 महीने की चुप्पी से समाधान कैसे होगा? इस प्रदूषण के चलते पर्यावरण की क्षति, मृदा की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ रहा है। इसके दहन से वायुमण्डल में कार्बनमोनोआक्साइड, मिथेन, कैन्सर कारक पालीसाइक्लिक ऐरोमेटिक हाइड्रोकार्बन, वाष्पसील कार्बनिक यौगिक (VOC) जहरीली गैसें उत्सर्जक होती हैं जो यह प्रदूषक आस–पास के वातावरण में फैलकर स्माग की मोटी परत बनाकर वायु की गुणवत्ता और लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। हवा में प्रदूषकों के छोटे–छोटे कणों से, पीएम (पार्टीकुलेट मैटर)–2–5 का स्तर अत्याधिक बढ़ जाता है। इसकी मात्रा 03 किलो, और CO2–60 किलो से भी ज्यादा होती है। यह गैस फेफड़ा तथा दिलोंध्आंखों पर असर डाल कर अस्थमा, कानिक आब्रस्ट्रक्टिव पलमोनरी रोग, ब्रोन्काइटिस और कैन्सर जैसी गम्भीर बीमारियां उत्पन्न कर सकती हैं। इसके अलावा उक्त गैंसे ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती है। कृषि भूमि की खाद करीब 25 प्रतिशत नष्ट हो जाती है। पराली दहन से कुछ पेस्ट एवं टरमाइट्स की संख्या बढ़ती है तो घातक है। इससे करीब 400 कि0ग्राम कार्बन, 10–14 करोड़/ग्राम एवं 1–2 लाख फफूंद भी नष्ट हो जाते हैं, जो कृषि भूमि के लिए पोषक हैं। वस्तुस्थिति यह है कि किसान फसल के पोषण के लिए ऊंची कीमतों परपोषक तत्वों को बाजार से खरीद कर उपयोग में लाते हैं। पराली, आतिशबाजी, पटाखे जलाने पर कोई रोक–टोक नहीं है और न ही कोई स्थायी हल है। शासन अब पराली दहन के लिए ठोस, सुदृढ़ उपाय निकाले। केवल जुर्माने और प्रतिबन्धों द्वारा इनको रोकने की कोशिश की जायेगी तो यह नाकाफी होगा।

विगत वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबन्धन आयोग (सी०ए०क्यू०एम०) को पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकने में विफलता हेतु लताड़ा था। ऐसी स्थिति में होने वाले प्रदूषण से कैसे निपटा जाये? उक्त आयोग का केवल बैठकें कर निर्देश जारी करना ही काफी नहीं है। प्रदूषण फैलाने वाले राज्यों में यही स्थिति लगातार बनी हुयी है। पटाखों, आतिशबाजी आदि के रोक होने के बावजूद भी पिछली दीवाली प्रदूषण की गिरफत में थी। दीवाली में तथा दीवाली के बाद एअर क्वालिटी इन्डेक्स देश की विभिन्न जगहों पर 300–500 तक था जो न्यूनतम 50 से बहुत ज्यादा था। दीवाली के समय उत्पन्न गैसेज प्रत्येक व्यक्ति की सासों में मिलता है। दीपावली के वक्त जब प्रदूषक कण वातावरण में स्थिर हो जायेंगे, और अगर ठोंस कदम नहीं उठाये गये तो जाहिर है कि स्वास्थ्य संकट विकराल रूप ले सकता है। खेत की पराली दहन पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत गैर कानूनी है। वर्तमान स्थिति यह है कि विभिन्न अवसरों एवं धार्मिक आयोजनो पर ध्वनि प्रदूषण 50 से ज्यादा 100–150 डेसिबल हो जाता हैं जो स्वास्थ के लिए अति हानि कारक है। किसानों से बात कर उनकी व्यवहारिकता को समझना होगा और समय के साथ, बदलाव के लिए तैयार होना पड़ेगा। शासन स्तर पर किसानों की मजबूरी को ठीक से समझकर उन्हें जागरूक करना होगा कि पराली के दहन से उत्पन्न खतरों के साथ–साथ मानव जीवन के लिए भी खतरनाक है। ऐसी स्थिति में पर्यावरण के लिहाज से अनुकूल उपायों की दिशा में आगे बढ़ना होगा। अब दीवाली आने वाली है फिर भी जनमानस ध शासन न तो जागरूक है और न ही मंशा ठीक है। शासन को पराली दहन से इतर, इसको नष्ट करने के अन्य विकल्पों पर कार्य करना होगा। पराली का अन्य कई तरीकों से, अच्छाइयों के साथ, उपयोग किया जा सकता है। पशु चारा, कम्पोस्ट खाद, पैकिंग सामग्री, कागज, बायोएथेनाल, स्वास्थ्य प्रोडक्ट, बायोमास से शक्ति, ग्रामीण क्षेत्रों में छप्पर का निर्माण करने के लिए शासन के सहयोग से साझा सम्मिलित प्रयासों से ही आमजन को इस समस्या से निजात मिल सकती है। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रदूषण टालरैन्ट प्रजातियों का रोपड़ करना आवश्यक है। सड़कों के किनारे, गाव की खाली जगहों में अत्याधिक पीपल, नीम, बरगद, बांस, आम आदि के अत्याधिक पौधे लगाने होंगे ताकि ग्रीन बेल्ट विकसित हो सके। प्रदूषण की समस्या लगातार बनी हुयी है, इसलिये आवश्यकता है कि शासन गम्भीर हो, नागरिक जागरूक हों और नियमों का सख्ती से पालन हो तब जाकर एक शुद्ध पर्यावरण बना पायेंगे और एक अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर देश को समृद्ध बनायेंगे।

जल सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण करें

संजय

जल की कमी एक गंभीर वैश्विक संकट बनती जा रही है, जिससे अरबों लोग प्रभावित हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट 2024 के अनुसार, लगभग 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित पेयजल तक पहुँच नहीं है और दुनिया की आधी आबादी साल में कम से कम कुछ समय के लिए गंभीर जल संकट का सामना करती है। इन भयावह आँकड़ों के बीच, अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण एक महत्वपूर्ण समाधान के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में, दुनिया के कुल अपशिष्ट जल का 80 प्रतिशत से अधिक – और कुछ विकासशील देशों में इसका 95 प्रतिशत से अधिक – पहले उपचार किए बिना पर्यावरण में छोड़ दिया जाता है। इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण पर खतरनाक परिणाम होते हैं। विकासशील देशों में, केवल 8 प्रतिशत औद्योगिक अपशिष्ट जल किसी भी तरह के उपचार से गुजरता है। यदि अपशिष्ट के बजाय संसाधन के रूप में देखा जाए, तो पुनर्चक्रित अपशिष्ट जल मीठे पानी की आपूर्ति पर दबाव को कम कर सकता है, कृषि सिंचाई का समर्थन कर सकता है और औद्योगिक प्रक्रियाओं को बनाए रख सकता है। भारत दुनिया के सबसे अधिक जल–तनाव वाले देशों में से एक है, जिसका एक कारण प्रदूषण और इसकी विशाल जनसंख्या है। कई देशों की तरह, भारत अपनी नदियों, विशेष रूप से गंगा, जिसे हिंदू पवित्र मानते हैं, को साफ करने की चुनौती से जूझ रहा है। उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग करने से जलमार्गों में प्रदूषकों की मात्रा में काफी कमी आ सकती है, जिससे नदियों को प्राकृतिक रूप से पुनः स्वस्थ होने और खुद को साफ करने की अनुमति देकर इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी प्रणालियों की बहाली में सहायता मिलती है। हालांकि, इसके संभावित लाभों के बावजूद, अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के कार्यान्वयन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। तकनीकी बाधाओं में उन्नत उपचार प्रौद्योगिकियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निवेश की आवश्यकता शामिल है। जल गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने और वैकल्पिक जल स्रोतों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए विनियामक और नीतिगत ढाँचे भी स्थापित किए जाने चाहिए। उपचार और वितरण की लागत जैसे आर्थिक विचार भी परियोजना की व्यवहार्यता में बाधा डाल सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बाधा उपचारित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के प्रति जनता की धारणा और प्रतिरोध है। यह अक्सर पुनर्चक्रित जल की सुरक्षा और गुणवत्ता के बारे में चिंताओं से उपजा है। जनता के प्रति रोध ा को पार करनारू पुनर्चक्रित जल के कुछ उपयोग लोगों को उतना परेशान नहीं कर सकते हैं जितना कि इसे पीने, खाना पकाने या नहाने के लिए उपयोग करना। सिंचाई, औद्योगिक प्रक्रियाओं और अपने शौचालय को फ्लश करने के लिए पुनर्चक्रित जल का उपयोग धारणा संबंधी मुद्दों से कम प्रवण प्रतीत होता है, इसे सुरक्षित रूप से किया जा सकता है और इससे मीठे पानी के संसाधनों की मांग कम होगी। यह आर्थिक रूप से भी अच्छा होगा। अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग उन क्षेत्रों में जल लागत को कम कर सकता है जहाँ मीठे पानी की लागत उपचारित अपशिष्ट जल की लागत से अधिक है।

परिवर्तनकारी शिक्षा का एक खाका

जबकि एनईपी समग्र शिक्षा और लचीले मूल्यांकन के माध्यम से आमूलचूल परिवर्तन का वादा करता है, कार्यान्वयन चुनौतियां इसकी प्रगति में बाधा बनी हुई हैं एनईपी 2020 की स्थापना पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के मार्गदर्शक सिद्धांतों पर की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को वर्तमान और भविष्य की विविध ा राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना था। नीति का उद्देश्य एक बहु–विषयक, समग्र स्नातक पाठ्यक्रम का नेतृत्व करना, विषयों के संयोजन के व्यापक विकल्प बनाना, नियमित विषयों के साथ व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण और विभिन्न चरणों में नियमित उचित प्रमाणीकरण के साथ बहु–प्रवेश और बहु–निकास बिंदु बनाना है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा जन्म, अर्थव्यवस्था औरध्या पृष्ठभूमि की परिस्थितियों के कारण सीखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का कोई अवसर न खोए। इससे अंततः परिवर्तनकारी परिवर्तन होने चाहिए जो हमारे देश में शिक्षा की जीवनरेखा को बदल देंगे। समग्र शिक्षा, प्रारंभिक बचपन देखभाल, लचीले मूल्यांकन, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी के एकीकरण, शिक्षक प्रशिक्षण और उच्च शिक्षा सुधारों पर जोर दिया जाएगा। इनका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार प्रणाली के लिए शिक्षार्थी–केंद्रित और समावेशी शिक्षा को डिजाइन करना हैरू इन्हें अपनाकर भारत 21वीं सदी में आगे बढ़ने के लिए सभी को आवश्यक कौशल और ज्ञान के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए तैयार है। इसका उद्देश्य ष्न्यायसंगत और समावेशी शिक्षाष प्रदान करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बच्चा अपनी सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित न रहे और 2030 तक 100 प्रतिशत जीईआर तक पहुंच जाए। ऐसा लग रहा था कि यह हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक वास्तविक गेम चेंजर साबित होने जा रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि इसकी मंजूरी के तीन साल बाद भी यह आगे नहीं बढ़ पाया है। इसका प्रमुख कारण यह है कि बहुसंख्यक लोग इस अत्यंत सार्थक नीति की भावना को नहीं समझते हैं। यदि इसे अक्षरशरू क्रियान्वित किया जाए तो हमारा देश शिक्षा के क्षेत्र में विश्व के सर्वश्रेष्ठ देशों में से एक होगा। एक गहन विश्लेषण और आगे क्या होने वाला है इसकी खोज करनाय इस संपूर्ण एनईपी–2020 को चार मुख्य कैप्सूलों में विभाजित किया जा सकता है, जिनकी यह नीति परिकल्पना करती हैरू मातृभाषा या बोली जाने वाली भाषा में पढ़ाना, छोड़ना सीखें, बदलना सिखाएं और सशक्त बनाने के लिए शिक्षा दें। ये हाइलाइट किए गए कैप्सूल पूरी तरह से संपूर्ण एनईपी–2020 का सार प्रस्तुत करेंगे, जिसे अब तक किसी ने भी उचित और पूरी तरह से प्रस्तुत नहीं किया है। इनमें से प्रत्येक का विस्तार से सभी बिंदुओं पर प्रकाश डाला जाएगारू बोलचाल की भाषा में शिक्षणरू इसके महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। मौलिक सोच केवल मातृभाषा (बोली जाने वाली भाषाओं) में ही आती है और यह लाभ हमारी पिछली किसी भी नीति में हमारे छात्रों को नहीं दिया गया है। अंग्रेजी पर हमेशा से ही जरूरत से ज्यादा जोर दिया जाता रहा है और एक गलत धारणा बना दी गई है कि अंग्रेजी ज्ञान है, जबकि सच तो यह है कि यह सिर्फ एक भाषा है, ज्ञान नहीं। किसी भाषा को जानने से हमेशा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। हमारे शुरुआती लोग हमेशा अपने तरीके से किसी अवध ारणा की समझ विकसित करने के बजाय अंग्रेजी सीखने के बारे में चिंतित रहते हैं, इसलिए अधिकांश छात्र मूल सोच पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अंग्रेजी भाषा सीखने में खो जाते हैं। एनईपी के तहत इसे उचित महत्व दिया गया है। एक छात्र को इस बात की समझ विकसित करनी होगी कि उच्च कक्षाओं में उसे कौन से विषय सीखने चाहिए और अंततः क्या सीखना चाहिए, जो कि अभी तक नहीं हुआ है।अभी तक। उन पर एक कोर्स थोप दिया जाता था. इसमें इस अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू को बहुत ही उचित ढंग से संबोधित किया गया है। छोड़ना सीखेंरू माध्यमिक और उच्च शिक्षा के लिए कौन सा पाठ्यक्रम लेना है, यह तय करने के बाद, एक छात्र हमेशा के लिए फंस जाता था कि उसे विषयध्पाठ्यक्रम पसंद है या नहीं। (पुरानी शिक्षा प्रणाली में, उदाहरण के लिए यदि किसी ने भौतिकी या संस्कृत का विकल्प चुना थारू वह हमेशा के लिए इस बात से चकित हो जाता था कि उसे ये विषय पसंद हैं या नहीं) जब तक कोई उच्च शिक्षा नहीं छोड़ देता या नए सिरे से शुरुआत नहीं करता, तब तक बाहर जाने का कोई रास्ता नहीं था। दूसरी कठिनाई यह थी कि कुछ विषम परिस्थितियों के कारण यदि किसी को शिक्षा बंद करनी पड़ती थी तो वर्षोंध्समय बर्बाद होने तक फिर से शुरू करने का कोई रास्ता नहीं था, लेकिन इसमें कोई भी कभी भी छोड़ सकता था या किसी भी समय पुनः शामिल हो सकता था (मल्टी एंट्री ध मल्टी एग्जिट सिस्टम के अंतर्गत आता है)). वर्तमान प्रणाली में यदि कोई कुछ वर्षों तक दूर रहता है तो वह वांछित विषयों में शिक्षा में वापस नहीं आ सकता है, लेकिन एनईपी–2020 के तहत कोई भी जाने से पहले अर्जित क्रेडिट को शामिल करके किसी भी समय अपनी शिक्षा फिर से शुरू कर सकता है। इसलिए, वर्तमान एनईपी के तहत, परिस्थितियों के कारण किसी को भी शिक्षा से दूर नहीं रखा जाएगा या शिक्षा से वंचित नहीं किया जाएगा। पुरानी व्यवस्था में ऐसा नहीं था. सशक्त बनाने के लिए शिक्षारू इसके अंतर्गत शिक्षा का उद्देश्य सही प्रकार का कौशल विकसित करके समाज को उचित लाभ देना है। उदाहरण के लिए, एक इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर बुनियादी विद्युत मरम्मत भी करने में सक्षम नहीं है या एक मैकेनिकल इंजीनियर बुनियादी खराबी को भी ठीक करने की स्थिति में नहीं है। रोजगार के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए नियमित पाठ्यक्रमों के साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का एकीकरण, विविध शैक्षणिक रुचि वाले या पारंपरिक मार्गों तक सीमित पहुंच वाले छात्रों को लाभ पहुंचाना या उन्हें एक–दूसरे से जोड़ना वर्तमान प्रणाली की कुछ विशेषताएं हैं। इसका उद्देश्य असमानताओं को कम करने के लिए सही पाठ्यक्रम विकसित करना है। इसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच पर जोर दिया गया है।

आतिशबाजी छोडते समय बरते विशेष सावधानी - एमपी सिंह

अयोध्या। दीपावली का उल्लास का पर्व है इस पर्व को खुशीपूर्वक अपने परिवारों के साथ मनाना चाहिए। इस पर्व के दौरान खासकर आतिशबाजी छोड़ते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए इसके साथ ही साथ अग्निशमन मानक के अनुरूप ही पटाखे आदि का प्रयोग करना चाहिए यह जानकारी देते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने

कहा कि इस वर्ष दीपावली का मुख्य पर्व गुरूवार को मनाया जायेगा।दीपावली पर्व पर प्रत्येक परिवार में दीप प्रज्ज्वलित कर तथा आतिशबाजी जलाकर हर्षोल्लास से खुशियों मनायी जाती हैं।ऐसे मे इस शुभ अवसर के समय थोडी सी लापरवाही से माहौल गम में परिवर्तित न हो,इसके लिए विशेष बातों का ध्यान देना चाहिये। प्रत्येक परिवार का दायित्व है।उन्होने लोगो से अपील किया कि सभी लोग वैधानिक रूप से निर्मित पटाखों को ही खरीदें।वयस्कों के मौजूद रहने पर ही बच्चों को पटाखा चलाने दें।आतिशबाजी पर दिये गये सुरक्षा निर्देशों को पढ़े तथा सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।पटाखों को समतल स्थान पर रखकर ही चलायें अन्यथा उलटकर अनियन्त्रित हो सकते हैं।उन्होने बताया कि पटाखों को जलाने के लिए मौलबत्ती को इन्हें में बाँधकर प्रयोग करें।जलते हुए पटाखों से बच्चे व अन्य लोग उचित दूरी बनाये रखें।पटाखे छोड़ते समय चुस्त और मोटे सूती कपड़े पहने। पटाखो की दुकान लगाये दुकानदार अपने अपने दूकानो के पास दो बाल्टी पानी किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिये रखे। पटाखों को सुरक्षित स्थान पर आग के ओत ज्वलनशील पदार्थों से दूर रखें।जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थान पर ही पटाखों की दुकान लगायें।पटाखों का भंडारण न करे।उन्होने लोगो से अपील किया कि हो सके तो कम आवाज की आतिशबाजी का प्रयोग करे।पटाखों को चलाते समय सिन्थेटिक अथवा सिल्क और डीले कपड़े को न पहनें।पटाखों को हाथ में पकड़कर जलाने का प्रयास न करें।घरों के अन्दर किचन के पास पटाखें किसी भी दशा में न चलाये।पटाखों को कभी भी जेब में न रखें।पटाखों के ऊपर झुककर वाभी भी उनको जलाने का प्रयास न करे।सार्वजनिक स्थानो पर आतिशबाजी न चलायें।पटाखो को जलती मोमबत्ती के पास न रखें।बच्चों को जलता हुआ पटाखा किसी के ऊपर न फेकने दें। 10—प्रयोग किये गये पटाखों में बची सामग्री से पटाखा निर्मित करने का प्रयास न करें।घनी बस्तियों में अथवा पेट्रोल पम्प, तेल के भण्डार, आरा मशीन, पण्डाल जैसे स्थानों के पास पटाखें अथवा राकेट न चलायें। 12—एक समय में एक से अधिक पटाखें न जलाये। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना, 05278—224233, 9454418709, 101 ,112, 9454418711, 9454418715, 9454418714, 9454418710, 8299773345 पर दे।

प्रथम चरण में आधार प्रमाणित 410155 लाभार्थियों का निःशुल्क एलपीजी सिलेण्डर रिफिल का वितरण किया जायेगा – मंगला प्रसाद सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने अवगत कराया है कि प्रदेश सरकार द्वारा जनपद के प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थियों को 02 निःशुल्क एलपीजी सिलेण्डर रिफिल दिये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2024—25 के प्रथम चरण में माह अक्टूबर से माह दिसम्बर 2024 और द्वितीय चरण में माह जनवरी से माह मार्च 2025 तक लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल का वितरण किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत 509486 परिवारों को आच्छादित किया जाना है, इनमें से प्रथम चरण में आधार प्रमाणित 410155 लाभार्थियों का निःशुल्क एलपीजी सिलेण्डर रिफिल का वितरण किया जायेगा, इसके बाद जैसे—जैसे लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण होते जायेगें उसी क्रम में निःशुल्क रिफिल का वितरण कराया जायेगा। उन्होने कहा है कि योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु सबसे पहले लाभार्थी अपने उपभोक्ता से निर्धारित दर पर भुगतान कर 14.2 कि0ग्रा0 का सिलेण्डर रिफिल लेगें उसके 03 से 04 दिन बाद ऑयल कंपनी द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी लाभार्थी के प्रमाणित खाते में भेज दी जायेगी। डीएम ने ऑयल कंपनियों से को निर्देश दिये है कि जिन लाभार्थियों का उक्त योजना के तहत आधार प्रमाणीकरण नहीं हुआ, अभियान चलकर उनका आधार प्रमाणित करायें।

जिलाधिकारी ने लीड बैंक मैनेजर से कहा है कि यह सुनिश्चित करायें कि बैंके में उज्जवला योजना के आने वाले लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण का कार्य प्राथकिता पर करें। डीएम ने एलपीजी वितरकों से कहा है कि अपने केन्द्र पर फ्लैक्सी बोड आदि लगवायें तथा लाभार्थियों को आधार प्रमाणित कराने हेतु टेलीफोन, हॉकर्स, मोबाइल एसएमएस आदि के माध्यम से सूचित करते हुए शेष लाभार्थियों के आधार प्रमाणन कराना सुनिश्चित करें। उन्होने समस्त उप जिलाधिकारियों से कहा है कि अपने क्षेत्र में आने वाले उज्जवला योजना के शेष आधार प्रमाणित लाभार्थियों का चिहांकन कराते हुए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करायें।

नवीन अग्रवाल बने रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी नवीन अग्रवाल को मुरादाबाद रेल मंडल प्रशासन द्वारा मंडल स्तरीय रेलवे सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। व्यवसायी नवीन अग्रवाल के मनोनयन पर व्यापारी वर्ग ने खुशी जताई। वहीं, रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि समिति में व्यवसायी वर्ग जिले को प्रतिनिधित्व मिलना हर्ष का विषय है।रेलवे की व्यवस्थाओ को बेहतर बनाने के लिए मंडल स्तर पर डीआरएम की अध्यक्षता में सलाहकार समिति का गठन किया जाता है। इसमें डीआरएम अध्यक्ष, एडीआरएम और सीनियर डीसीएम समेत अन्य अधिकारी शामिल होते हैं। समिति में व्यापारी, किसान और यात्रियों के कोटे से सदस्यों का मनोनयन किया जाता है इसी क्रम में रेलवे गंज के प्रमुख व्यवसायी व् समाजसेवी रहे स्वर्गीय रमेश चन्द्र अग्रवाल के बड़े

बेटे नवीन अग्रवाल को मुरादाबाद मंडल ने सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया गया है।

हरदोई रेलवे सीएमआई अम्बुज मिश्रा ने हरदोई रेलवे स्टेशन में नवीन अग्रवाल को चयन पत्र सौंपा। वहीं, उनके मनोनयन पर हरदोई स्टेशन के अधिकारियों ने भी खुशीजताई है। सलाहकार समिति से जनपद से एक सदस्य नामित होने पर अब व्यापारियों व् आमजनमानस की जनपद से जुड़ी समस्याओं को समिति के सामने बेहतर ढंग से उठाया जा सकेगा। नवीन अग्रवाल ने रेलवे सलाहकार समिति में चयन होने पर उन्होंने उद्योग व्यापार एकता एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पृथ्वी सिंघल व् राष्ट्रीय महामंत्री जॉनी मंगला को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके स्वर्गीय पिता जी रमेश अग्रवाल ने उन्हें जो समाजसेवा की राह दिखाई है उसी राह पर वो निरंतर काम करने की कोशिश करते रहेंगे तथा सभी के सहयोग व् प्राप्त सुझावों के आधार पर हरदोई रेलवे स्टेशन पर जो भी सुधार हो सकते है व् हरदोई मार्डन स्टेशन पर जो नवीनतम तकनीकि लाई जा सकती है उनको रेलवे अधिकारियो से अवगत करायेंगे। इस अवसर पर हरदोई जनपद के कई व्यापारियों सहित रेलवे स्टॉफ मौजूद रहा।

जिले मे तेजी से चोरी छिपे हो रहा अवैध पटाखों के बनाने व बेचने का कारोबार

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। बारुद के ढेर पर अयोध्या जिला बसा हुआ है।सिर्फ दीपावली ही नही बल्कि पूरे साल भर चोरी छिपे इस विस्फोटक पदार्थो जिसमे खासकर पटाखों के बनाने व बेचने का काम इसमे शामिल कई दुकानदार कर रहे है। वही पुलिस बीच बीच मे इन पर शिकंजा कसने के लिये बीच बीच मे इन दुकानदारो पर अभियान चलाकर थोडा बहुत पटाखा आदि बरामद कर खानापूर्ति कर ले रही है। अगर देखा जाये तो जिले की पुलिस चाह कर भी जिले मे चोरी छिपे अवैध रूप से विस्फोटक पदार्थ का भंडारण करने व बनाने वाले कारोबारियो पर रोक नहीं लग पा रही है।कुछ वर्षों पूर्व जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र सहित अन्य थाना क्षेत्रो में चोरी छिपे अवैध रूप से भंडारण किए हुए विस्फोटक पदार्थ से दिल दहलाने वाली कई घटनाये हो चुकी है।इस घटना मे कुछ लोगो की जान चली गई और कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।परंतु अभी भी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रो में चोरी चुपके विस्फोटक पदार्थो का अवैध रूप से कारोबार करने मे जुटे हुये है।इन लोगो पर पुलिस अंकुश नहीं लगा पा रही है।देखा जाए तो पिछले कई वर्षों में जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के रीडगंज, बीकापुर, इनायत नगर, मिल्कीपुर, रौनाही, पटरंगा, मवई,पूरा कलंदर सहित अन्य थाना क्षेत्र में विस्फोटक पदार्थ से अप्रिय घटनाएं हो चुकी हैं।जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो हो गई और दर्जनों महिलाएं व बच्चे भी घायल हो गए अभी कुछ महीनो पूर्व थाना पूरा कलंदर क्षेत्र के आटा चक्की की दुकान में विस्फोटक पदार्थ के विस्फोट से एक महिला व एक बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई थी वही अन्य घायल हो गए थे।इसके पहले वर्ष 2022 मे थाना इनायत नगर क्षेत्र के पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज क्षेत्र में विस्फोटक पदार्थ के विस्फोट से शलीमुल्लाह का बेटा कल्लू गंभीर रुप से घायल हो गया था।2021 मे थाना महाराजगंज क्षेत्र मे विस्फोटक पदार्थो के विस्फोट से महेश गुप्ता नामक एक एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे इसी तरह वर्ष 2023 में राम जन्मभूमि की श्रृंगार है में भी इस तरह की घटना हुई थी जबकि वर्ष 2022 में थाना इनायत नगर क्षेत्र के सिमरा गांव में विस्फोटक पदार्थ की विस्फोट से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था जबकि बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के तोड़ो माफी गांव में हुए विस्फोटक पदार्थ के के विस्फोट से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था कुल मिलाकर समूचा जिला विस्फोटक पदार्थ की ढेर पर बसा हुआ है जिले का कोई थाना क्षेत्र शायद ही ऐसा हो जहां पर अवैध रूप से विस्फोटक सामग्रियों की चोरी छिपे भंडारण व बिक्री न की जा रही हो।जिले मे पार्थ अग्रवाल हीश्रकेवल ऐसे स्टॉकिस्ट है जिसे 5 हजार किलोग्राम पटाखा बेचने की अनुमति प्रदान हुई है अब सवाल यह उठता है कि जब केवल पथ अग्रवाल को ही शासन द्वारा अनमत प्रताप प्रदान हुई है तो इसका चोरी छुपे भंडारा हुआ विस्फोटक पदार्थ को कैसे बेचते हैं पुलिस पर सवालिया निशान खड़ा करता है इस संबंध में सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार मिश्र व सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने संयुक्त रुप में बताया कि शहर में इस तरह की चोरी छिपे विस्फोटक पदार्थ को बेच रहे लोगों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए कई पुलिस टीमो का गठन किया गया है लगातार इन पर अंकुश लगाने का काम कर रही है क्यों नहीं बताया कि अभी कुछ दिन पहले कोतवाली नगर क्षेत्र के फतेहगंज से चोरी छिपे पटाका बेचने वाले व्यवसायी पर कार्रवाही की गई है।इन दोनो अधिकारियो ने अपील किया है कि जिन दुकानदारो को जहां पर पटाका लगाने की अनुमति मिली हो वही पर दुकान लगाये।

सीएमओ ने अनुपस्थित रहने वाले कर्मियो का वेतन रोकने का दिये निर्देश

अयोध्या। सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 3 चिकित्सक, 2 स्टाफ नर्स, 1 लैब टेक्नीशियन, 1 फार्मासिस्ट एवं बी सी पी एम (24/10/2024 से 28/10/2024 तक) बी पी एम, बी ए एम (26/10/2024 एवं 28/10/2024) अनुपस्थित पाए गए। इन कर्मियो पर कार्यवाही करते हुये मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अनुपस्थित पाए गए स्वास्थ्य कर्मियों का वेतन रोकने का का निर्देश दिया है।

एल.पी.सी. ए ब्लाक में वार्षिकोत्सव - स्पेक्ट्रम ऑफ इमोशंस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, ए ब्लॉक, राजाजीपुरम में वार्षिकोत्सव मनाया गया , जिसमें प्रतिभावान छात्र—छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रेरक जीवनोपयोगी सन्देश दिया । इस अवसर पर खेल व अन्य प्रतियोगिताओं में विशेष उपलब्धियाँ अर्जित करने वाले 61 एवं कक्षा 10 में 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 63 छात्र तथा एक या एक से अधिक विषयों में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 11 छात्र—छात्राओं को प्रशस्ति पत्र , उनके अभिभावकों को बुके व शाल देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. एस.पी. सिंह (सांसद), पूर्व एम.एल.सी.कांति सिंह, प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, महाप्रबंधक हर्षित सिंह एवं शिखर पाल सिंह, निदेशक नेहा सिंह व गरिमा सिंह, प्रधानाचार्या भारती गोसाईं, हेड मिस्ट्रेस कंचन पाण्डेय, अभिभावक गण तथा बच्चे उपस्थित रहे।

कबड्डी खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सुजानगंज जौनपुर। क्षेत्र के रयां (मोहरियांव) ग्राम सभा में जय बजरंग दल कबड्डी दल द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का रविवार देर शाम समापन हुआ जहां पर कई जिलों की टीमों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि दिनेश कुमार मिश्र अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद रहे उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ किया और फाइनल मैच शुरू होने से पहले राष्ट्रगान किया गया और वहीं पर प्रथम विजेता बाबुगंज टीम को 11111 रूपये तथा द्वितीय स्थान पर मडियाहू को 5555 एवं तृतीय स्थान पर प्रतापगढ़ को 3333 नगद धनराशि का पुरस्कार देते हुए कहा खेल से इंसान स्वस्थ एवं निरोगित रहता है खेल को खेल की ही भावना से खेलना चाहिए खेल में किसी प्रकार की कटुता नहीं आनी चाहिए। प्रतियोगिता के संयोजक दुर्गेश द्विवेदी,मणिशंकर यादव,दुर्गेश पांडेय,संतोष यादव,राजेन्द्र प्रजापति,उमाशंकर यादव,नीरज सिंह,आशुतोष दुबे,सूरज दुबे,कन्हैया दुबे,अभिनेष प्रजापति,मिथिलेश दुबे, सुमित दुबे,युगांक दुबे,प्रेम नारायण दुबे,आयुष पांडेय,मंगल पांडेय,राजू प्रजापति,संदीप गुप्ता,राज प्रजापति आदि लोगों की भूमिका उल्लेखनीय रही।

मैक्स सुपरस्पेशलिटी अस्पताल ने ब्रेस्ट कैंसर सरवाइवर्स के साथ आयोजित किया प्रेरणादायी कार्यक्रम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने स्तन कैंसर से लड़कर जीतने वाले साहसी सर्वाइवर्स को सम्मानित करने और 'स्पिरिट ऑफ पिंक' सहायक समूह का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में लगभग 30—40 सर्वाइवर्स, उनके सहयोगी परिवार के लोग और मैक्स हॉस्पिटल लखनऊ के ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. आलोक गुप्ता और डॉ. फराह अरशद के पूर्व कैंसर रोगी शामिल हुए। यहाँ का माहौल आशा, सकारात्मकता और एकजुटता से भरा रहा, क्योंकि सभी लोग जिंदगी और इसकी ताकत का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे। 'स्पिरिट ऑफ पिंक' कैंसर सर्वाइवर्स ग्रुप का लॉन्च, इस कार्यक्रम का आकर्षण रहा। इस पहल का उद्देश्य उन रोगियों का नेटवर्क बनाना है, जिन्होंने स्तन कैंसर को हराया है और जो वर्तमान में इस बीमारी से लड़ रहे हैं। साथी सर्वाइवर्स के साथ जुड़कर, मरीज अपने अनुभव साझा कर सकते हैं, प्रोत्साहन प्राप्त कर सकते हैं और एकता में कभी न हारने वाली शक्ति पा सकते हैं। मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ के वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख —मेडिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. आलोक गुप्ता ने बताया, 'इस समय जब भारत विश्व स्तर पर स्तन कैंसर से होने वाली मौतों की उच्च दर से जूझ रहा है, 'स्पिरिट ऑफ पिंक' समूह का शुभारंभ सर्वाइवर्स और इस बीमारी से प्रभावित लोगों के लिए एक सहायक समूह

बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आशा, सहयोग और सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर, यह पहल अनगिनत कैंसर रोगियों के जीवन में स्थायी प्रभाव डालने और उसे बेहतर बनाने का लक्ष्य हासिल करने में सक्षम होगी।' मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ की एसोसिएट डायरेक्टर — ब्रेस्ट एंड एंडोक्राइन सर्जरी, डॉ. फराह अरशद ने स्तन कैंसर की जल्द पहचान और इससे संबंधित जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'स्तन कैंसर महिलाओं के स्वास्थ्य के नजरिए से चिंता की वजह है। इसके साथ जुड़े खतरे के कारणों को समझना बहुत जरूरी है। हमारा समूह पूर्ण समर्थन और आवश्यक जानकारी प्रदान करते हुए रोगियों को इस रोग को हराने में मदद करेगा। इस आयोजन में सर्वाइवर्स ने विभिन्न प्रतिभाओं का भी प्रदर्शन किया।

सर्वाइवर्स जब अपनी प्रतिभाओं को साझा करने के लिए मंच पर आए तो जिंदगी से भरपूर प्रतिभाओं के प्रदर्शन ने वहाँ उपस्थित सभी लोगों को खुशियों से भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में जाने—माने आरजे ने शाम की मेजबानी की, उत्सव के आनंद को बढ़ाते हुए पूरी शाम दर्शकों को कार्यक्रम में जोड़कर रखा।

हमें स्वस्थ रहना है , तो हमें अपने रहन—सहन व खाने के तरीकों में परिवर्तन करना पड़ेगा – कुलपति'

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज ,अयोध्या के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा माननीय कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रेक्षा ग्रह में नवीन छात्रों के लिए दीक्षा आरंभ कार्यक्रम के अंतर्गत एनीमिया रोकथाम हेतु राष्ट्रीय रणनीतिरू फोर्टीफाइड चावल विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह तथा अन्य अतिथियों द्वारा जल भरो कार्यक्रम के साथ हुआ, तत्पश्चात अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय प्रोफेसर साधना सिंह ने मुख्य अतिथि कुलपति महोदय व अतिथि वक्ताओं मयंक भूषण, निरंजन बरियार ,प्रोफेसर नीतू सिंह तथा अन्य सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एनीमिया के विषय में विस्तृत जानकारी दी उन्होंने एनीमिया के लक्षण तथा उसे दूर करने में हरी सब्जियों ,मोटे अनाजो ,गुड़ तथा अन्य आयरन युक्त भोज्य पदार्थों की भूमिका के विषय में चर्चा की। कार्यक्रम की अगली कड़ी में मुख्य अतिथि कुलपति महोदय ने समस्त प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि हमें स्वस्थ रहना है ,तो हमें अपने रहन—सहन व खाने के तरीकों में परिवर्तन करना पड़ेगा हमें एनीमिया को दूर करने के लिए खट्टे फलों को अपने भोजन में शामिल करना होगा इनमें विटामिन सी पाया जाता है जिसमें रोग रोधक क्षमता होती है जो हमें रोगों से बचाती है महिलाओं के लिए इसका विशेष महत्व है। गर्भावस्था में महिलाओं को अपने भोजन का विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि हम बच्चों को जन्म से एक हजार दिन तक विटामिन व खनिज लवण युक्त पौष्टिक भोजन पर्याप्त मात्रा में देते रहेंगे तो वह पूरे जीवन स्वस्थ रहेगा, उन्होंने कहा कि हमें सप्ताह में कम से कम 15 प्रकार का भोजन करना चाहिए साथ ही कहा कि हमें विभिन्न रंगों के भोज्य पदार्थ खाने चाहिए क्योंकि अलग—अलग रंग के भोज्य पदार्थ में अलग—अलग प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे लिए अत्यंत फायदेमंद होते हैं। उन्होंने भोजन में पौष्टिक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए जैविक खेती पर भी बल दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में सर्वप्रथम मयंक भूषण मुख्य कार्यक्रम सहायक, संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम ने खाद्य विभाग उत्तर प्रदेश के कार्यक्रमों से अवगत कराते हुए बताया कि उनका विभाग 19 करोड़ लोगों को राशन प्रदान कर रहा है साथ ही वह इस राशन में फोर्टीफाइड चावल देता है। उन्होंने फोर्टीफाइड चावल कैसे बनता है उसके विषय में जो सामान्य जनता में भ्रांतियां हैं उन पर प्रकाश डाला एवं उन्हें दूर किया। उन्होंने बताया की हम फोर्टीफाइड चावल को कैसे पकाएं जिससे वह हमारे लिए पूर्णतया उपयोगी हो। तकनीकी सत्र की अगली कड़ी में निरंजन बरियार, कार्यक्रम योजना अधिकारी, संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम ने बताया की फोर्टीफाइड चावल की क्या उपयोगिता है। उन्होंने कहा कि यदि हम इस प्रकार का चावल प्रतिदिन भोजन में प्रयोग करेंगे तो हमें अलग से लोह लवण की गोली नहीं खानी पड़ेगी।प्रोफेसर नीतू सिंह, विभागाध्यक्ष , खाद्य एवं पोषण विभाग, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ ने बताया कि उन्होंने अपने प्रयोगशाला में फोर्टीफाइड चावल के विभिन्न व्यंजन बनाए हैं ,जो बहुत उपयोगी हैं यदि महिलाएं इन भोजन को बनाएंगी और खाएंगी तो उनकी लोह लवण की आवश्यकता ही पूरी हो जाएगी उन्हें एनीमिया की बीमारी होने का खतरा नहीं रहेगा। डॉ श्वेता चौधरी ,सहायक प्राध्यापक, खाद्य एवं पोषण विभाग ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी का संचालन डॉक्टर तृप्ति वर्मा ने किया।इस संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता गण डॉ प्रतिभा सिंह ,डॉ पी एस प्रमाणिक, डॉ संजय पाठक ,डॉ सीपी सिंह, निर्देशक प्रशासन एवं परवीक्षण डॉ ए के सिंह,अपर निदेशक प्रसार डॉ आर आर सिंह , विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्ष,प्राध्यापक गण , शिक्षक शिक्षक गण,ओंकार सेवा संस्थान से आए सूर्यकांत त्रिपाठी जी , देवरिया तथा अयोध्या जनपद की ग्रामीण महिलाएं, कृषक तथा छात्र—छात्राओं सहित लगभग दो सौ प्रतिभागी उपस्थित रहे।

बीती रात महिला की पीट-पीटकर हत्या

सुल्तानपुर। करौदीकला थाना क्षेत्र के गजेन्द्रपुर गांव में बीती रात महिला की पीट—पीटकर हत्या।

मृतक महिला का बेटा पिटाई के दौरान गंभीर रूप से घायल। बेटा गंभीर हालत में पहुंचा अस्पताल। सूचना के बावजूद समय पर नहीं पहुंची करौंदीकला कोतवाली पुलिस,लापरवाही उजागर। सीओ कादीपुर बोले,आशनाई के चलते की गई हत्या। मुकदमा दर्ज कर जल्द किया जाएगा मामले का खुलासा।

सड़क हादसे में बाल बाल बचे पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी रहे व महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह की फार्च्यूनर गाड़ी का सोमवार सुबह बाबतपुर एयरपोर्ट जाते समय वाराणसी लखनऊ राष्ट्रीय राजा मार्ग पर गाय को बचाने के चक्कर मे एक्सीडेंट हो गया। हादसे में वो बाल बाल बच गए। गाड़ी बुरी तरह से टूट गई है। जानकारी के अनुसार पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह रविवार को मुंबई से जौनपुर के सिद्धार्थ उपवन लान में आयोजित पूर्वांचल युवा महोत्सव में भाग लेने आए थे। सोमवार की सुबह श्री सिंह अपनी फार्च्यूनर गाड़ी संख्या up 62 CY 0018 से आवास से दिल्ली जाने के लिए बाबतपुर एयरपोर्ट जा रहे थे कि जैसे ही वो जौनपुर बाबतपुर के मध्य अमूल डेयरी के पास पहुंचे थे कि एक गाय अचानक उनकी गाड़ी के सामने आ गई। गाय को बचाने के लिए ड्राइवर ने ब्रेक लगाकर गाड़ी को नियंत्रित करना चाहा परंतु तब तक उनकी गाड़ी आगे जा रही पुलिस की गाड़ी से जोर से टकरा गई। जिससे वो बाल बाल बच गए लेकिन फार्च्यूनर के परखच्चे उड़ गए। उसके बाद वो पुलिस की गाड़ी में बैठकर बाबतपुर पहुच दिल्ली के लिए रवाना हुए। दूरभाष पर बात करते हुए कृपाशंकर सिंह ने बताया कि ईश्वर की कृपा और लोगों के आशीर्वाद से वे पूरी तरह से सुरक्षित और स्वस्थ है। जोर से झटका के चलते उनकी कमर में थोड़ा दर्द जरूर है, परंतु घबराने की कोई बात नहीं है।

स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को अपने संकाय से दो मेजर विषय चुनने होंगे – कुल सचिव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नेशनल एजुकेशन पालिसी) 2020 के अनुसार स्नातक प्रथम सेमेस्टर के लिए परीक्षा फार्म भरने व विषय चयन के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। इस नए प्रविधान के तहत छात्रों को अधिक विकल्प मिलेंगे, जिससे उनकी शिक्षा का दायरा बढ़ेगा और वह बहुआयामी दृष्टिकोण से ज्ञान अर्जित कर सकेंगे। अब छात्रों के पास दो मेजर (मुख्य) और एक माइनर (अल्प) विषय चुनने की स्वतंत्रता होगी। यह एनईपी के उद्देश्यों के अनुसार बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने में सहायक साबित होगा। इस संबंध में सोमवार को दूरभाष पर बात करते हुए

विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के प्रबंधक व प्राचार्यो को पत्र जारी कर कहा है कि सत्र 2024—25 में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को अपने संकाय (फैकल्टी) से दो मेजर विषय चुनने होंगे, जिनमें वह सभी छह सेमेस्टर तक अध्ययन करेंगे। इसके तहत छात्रों को भाषा, कला, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, ललित एवं प्रदर्शन कला संकायों में से किसी एक संकाय के भीतर ही दो मेजर विषय चुनने का विकल्प होगा। इसके साथ ही यह अतिरिक्त सुविधा दी गई है कि छात्र भाषा संकाय से एक और कला या सामाजिक विज्ञान से दूसरा मेजर विषय चुन सकते हैं, ताकि उनकी शिक्षा में विषयों की विविधता भी शामिल हो।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत का वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत का वार्षिक अधिवेशन साईं गेस्ट हाउस साईं विहार कॉलोनी निकट ओपी चौधरी डेंटल कॉलेज रायबरेली रोड लखनऊ में लेफ्टिनेंट कर्नल बी एस तोमर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। भारत माता के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया। विगत दिनों मां भारती की रक्षा करते हुए बलिदानियों एवं साथियों मेजर जनरल एन एन गुप्ता पूर्व अध्यक्ष, मेजर जनरल एन बी सिंह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कैप्टन राघवेंद्र विक्रम सिंह(आई ए एस)उपाध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। महासचिव विजय नारायण द्वारा मंचासीन का परिचय,स्वागत, सम्मान कराया गया। संगठन गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। महासचिव विजय नारायण तिवारी का उद्बोधन, मातृशक्ति अध्यक्ष मंजू सिंह का उद्बोधन, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव कर्नल लक्ष्मीकांत तिवारी का उद्बोधन हुआ। विशिष्ट अतिथि सुधा सिंह पत्नी स्वर्गीय मेजर जनरल एनबी सिंह, कर्नल अनिल अहूजा, कर्नल दयाशंकर दुबे, कैप्टन इंदल सिंह चंदेल रहे।प्रांतीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल बी एस तोमर का अध्यक्षीय उद्बोधन हुआ। अंत में धन्यवाद ज्ञापन महासचिव अवध प्रांत विजय नारायण तिवारी ने किया। कार्यक्रम में कर्नल लक्ष्मीकांत तिवारी, कर्नल आर बी सिंह, कर्नल अनिल अहूजा, कर्नल दयाशंकर दुबे, कर्नल शरद शुक्ला, कर्नल लव शंकर त्रिपाठी, लेफ्टिनेंट कर्नल बी एस तोमर, मेजर कुलदीप शुक्ला, कैप्टन इंदल सिंह चंदेल, कैप्टन सरोज, सूबेदार दिनेश पांडे, सीपीओ पारिजात मिश्रा,सूबेदार अशोक कुमार पांडे, वारंट ऑफिसर ललित मोहन पंत, सी पी ओ घनश्याम केसरी, सी पी ओ दिनेश पांडे, सूबेदार मेजर राजीव चौहान, सूबेदार श्रीप्रकाश पाठक अयोध्या, हवलदार राकेश बहादुर सिंह रायबरेली, हवलदार राजीव सिंह हरदोई, सुधा सिंह पत्नी स्वर्गीय मेजर जनरल एनबी सिंह, मंजू सिंह पत्नी कर्नल आर पी सिंह, पूनम सिंह पत्नी नायब सूबेदार सूरजभान, गंगा भट्ट, दीपमाला सिंह पत्नी संजय कुमार सिंह सहित अवध प्रांत के सभी जिलों के पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

आरजीए कंपनी लिंक पर जुड़े लोगों को लगा हजारों का चूना

सुल्तानपुर। चंद दिनों में घर बैठे बगैर खून पसीना बहाए लखपति बनने की हसरत पाले सैकड़ों लोगों को जोरदार झटका लगा है। आरजीए कंपनी के लिंक से जुड़ कर दिवाली से पहले लाखों कमाने की लालच में हजारों हजार रुपया गँवा बैठे हैं। दीपावली का तोहफा पाने की आस लगाए लोगों का दिवाला निकाल कर कंपनी रफूचक्कर हो गयी है। ठगी के शिकार हुए लोगों में ग्राम प्रधान व कोटेदार प्रतिनिधि, सफाई कर्मचारी एवं आम आदमी शामिल हैं।

बात करते हैं ठगी के शिकार हुए सिर्फ एक गाँव जादीपुर के लोगों की। बीते कुछ माह पहले गांव के एक को आरजीए कंपनी की जानकारी हुई। बताया कि कंपनी के लिंक पर जुड़ कर घर बैठे मोटी रकम कमाई जा सकती है। 1600 रुपया लगाने पर 60 रुपया रोजाना मिलेगा। 4800 पर 160 रुपया, 15000 रुपया लगाने पर 540 रुपया प्रतिदिन खाते में आयेगा। इसी तरह ज्यादा पैसा लगाने पर ज्यादा कमाई का लालीपाप दिखाया गया। कुछ लोगों कुछ दिनों तक लाभ भी मिला। फिर क्या था, विकास महकमे में बतौर संविदा कर्मी वरुण जायसवाल, रानू श्रीवास्तव, गुंजन श्रीवास्तव, सुभाष जायसवाल, आकाश, बृजेश, महादेव आदि दर्जनों लोगों ने धडाध्धड़ अपनी क्षमतानुसार पैसा लगाना शुरू कर दिया। ज्यादा पैसा लगाने पर दीपावली आफर भी दिया गया। लालच में आए लोगों ने ज्यादा से पैसा लगा दिया। किसी ने 2000 तो कोई 5000–10000–15000 रुपया लगा दिया। दो दिन पहले अचानक कंपनी की बेवसाइट बंद हुई तो पैसा लगाने वाले लोग एक दूसरे से मुंह लटकाए जानकारी करते फिर रहे हैं। फिलहाल हम तो यही कहेंगे कि लालच बुरी बला है।

जनता की कौन कहे, सरपंच भी ठगे गए

ज्यादा पैसा कमाने की लालच में जादीपुर की जनता ही, ग्राम प्रधान पति बब्बन भी आ गए। कंपनी की असलियत जानने और जनता को समझाने की कौन कहे सरपंच ने स्वयं पैसा लगाना शुरू कर दिया। गांव के मुखिया को देख सफाई कर्मी राजेश गौतम और कोटेदार प्रतिनिधि जंग बहादुर ने भी मोटी रकम जल्द हथियाने के हजारों रुपया लगा दिया।

गांव की जनता के साथ ही ये सभी ठगी के शिकार हुए हैं। यहाँ पर हम तो डूबेंगे सनम तुमकों भी ले डूबेंगे, वाली कहावत एक गांव के सरपंच पर सटीक बैठती है।

जन कल्याण के कामों को पहले प्राथमिकता दें - सीएम योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। कहा, जिनके पास आवास नहीं है, उन्हें पीएम–सीएम योजना के तहत पक्का आवास दिलाएं। और जो किसी सामाजिक पेंशन योजना के दायरे में आने की अर्हता रखते हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाया जाए। सीएम योगी ने उक्त निर्देश रविवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम खुद पहुंचे और एक एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। पात्रता के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए नन्हे मुन्ने बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया।

प्रयागराज आने वाले सभी विमानों का बदल गया समय, डीजीसीए का विंटर शेड्यूल जारी

प्रयागराज, संवाददाता। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) का विंटर शेड्यूल रविवार 27 अक्तूबर से जारी हो गया रहा है। इसकी वजह से प्रयागराज एयरपोर्ट से संचालित सभी विमानों की समय सारिणी रविवार से बदल गई है। विंटर शेड्यूल में इंडिगो की हैदराबाद, रायपुर, अकासा एयर की मुंबई उड़ान शामिल की गई है। लेकिन, इसमें देहरादून और भोपाल उड़ान नहीं है। विंटर शेड्यूल में इंडिगो की बंगलूरू उड़ान अब सुबह 11:30 की जगह दोपहर 1:20 बजे यहां से उड़ान भरेगी। इसी तरह बंगलूरू से प्रयागराज के लिए इसकी रवानगी सुबह 8:40 की जगह 10:20 बजे होगी। प्रयागराज से मुंबई के लिए संचालित इंडिगो की उड़ान दोपहर 2:30 की जगह अब दोपहर 1:30 बजे होगी।

इसी तरह इंडिगो की दिल्ली उड़ान अब प्रयागराज से 12:55 की जगह दोपहर 3:10 बजे रवाना होगी। दिल्ली से प्रयागराज के लिए इसकी रवानगी सुबह 11:10 की जगह दोपहर 1:15 बजे होगी। इंडिगो की हैदराबाद ही उड़ान के भी समय में बदलाव किया गया है। अभी यह विमान प्रयागराज से सुबह 11:20 बजे उड़ान भरता है, लेकिन विंटर शेड्यूल में इसकी उड़ान का समय दोपहर 1:15 बजे रहेगा। इसके अलावा अब एलाइंस हर रोज दिल्ली के विमान संचालित करेगा। 27 अक्तूबर से एलाइंस अपनी नियमित सेवा शुरू कर देगा। इसका शेड्यूल जारी कर दिया गया है। खास बात है कि प्रत्येक मंगलवार व बृहस्पतिवार को एलाइंस एयर दिल्ली के लिए दो विमान संचालित करेगा। यानी कि सप्ताह में दो दिन प्रत्येक मंगलवार व बृहस्पतिवार को दिल्ली के लिए तीन विमान यात्रियों को प्रयागराज से उपलब्ध होंगे।

संपूर्ण जगत का कल्याण ही उद्देश्य – जगत गुरु श्री रामभद्राचार्य

विजेथुआ महोत्सव के तीसरे दिन हनुमत कथा के श्रोताओं की भारी भीड़ व्यवस्था पर भारी पडी। जिससे आयोजन समिति को आनन फानन परदे खोलकर लगभग दो हजार टेंट की कुर्सी मंगवानी पडी। श्रोताओं के मध्य महोत्सव के संयोजक विवेक तिवारी ने पहुँचकर आगमन के लिए सबका आभार व्यक्त किया।

सुलतानपुर। त्रेता युग से विराजमान है बिजेथुआ महावीरन धाम में हनुमान जी महाराज। यह बातें बिजेथुआ महावीरन धाम में तीसरे दिन की कथा में पद्म भूषण तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने कही। जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी ने हनुमान जी के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि हनुमान जी एक दिव्य और अलौकिक शक्ति है।ऐसे तमाम दृष्टांत है जो शक्ति के देवता हनुमान जी को वन्दनीय और पूज्यनीय बनाते हैं।श्री जगतगुरु जी ने कहा कि प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लेकर लक्ष्मण युद्ध भूमि में चलते हैं जहां उनके सामने रावण का बलशाली पुत्र मेघनाथ रणभूमि में खड़ा है। दोनों योद्धाओं में भयंकर युद्ध होता है। जब मेघनाथ को यह लगता है कि लक्ष्मण को पराजित नहीं कर पाएगा तब वह शक्तिवाण का प्रयोग कर लक्ष्मण को मूर्छित कर देता है। जिसके पश्चात हनुमानजी ने सँजीवनी बूटी लाकर लक्षण के प्राण बचाए। जगतगुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास जी ने कहा कि चित्रकूट पीठ का उद्देश्य जगत के कल्याण का है। कार्यक्रम के सँयोजक सत्यपथ फाउंडेशन के सँरक्षक विवेक तिवारी ने कहा कि विजेथुआ का सर्वांगीण विकास तथा नगर पँचायत का मिले तथा इसे पँच तीर्थ (काशी, प्रयागराज, विन्ध्याचल व अयोध्या के साथ विजेथुआ) में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि इस धाम को सीधे पूर्वांचल एक्सप्रेस से जोड दिया जाए। श्री तिवारी की इस माँग का जगतगुरु ने समर्थन किया जिस पर उच्च शिक्षा मन्त्री योगेंद्र उपाध्याय ने इसे अतिशीघ्र स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया। बिजेथुआ महावीरन महोत्सव के संरक्षक श्री विवेक तिवारी जी ने बताया कि विजेथुआ महोत्सव में हनुमत कथा के श्रवण के साथ साथ विशाल भँडारे का भी आयोजन समिति के द्वारा किया गया है। इस मौके पर मत्स्य पालन विभाग मंत्री डॉ संजय निषाद जी बिजेथुआ महोत्सव के अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक राजेश गौतम,सदर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय,, प्रमुख प्रतिनिधि द्वय डॉ श्रवण मिश्रा ,सर्वेश मिश्र, अमरीश मिश्र, रामविनय सिंह, रितेश दुबे, अंकित पाण्डेय ,विजय उपाध्याय आदि लोग उपस्थित रहे।

कार्यकारी सहायक निलंबित किए गए

गोरखपुर, संवाददाता। एलटी लाइन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई थी। मामले में क्षतिपूर्ति राशि देने में देरी करने पर विद्युत वितरण खंड प्रथम के तत्कालीन कार्यकारी सहायक अंकुर सिंह को निलंबित कर दिया गया है। उनको बस्ती कार्यालय से संबद्ध किया गया है। यह कार्रवाई पूर्वांचल विद्युत वितरण लिमिटेड के एमडी शंभू कुमार ने की। हरसेवकपुर निवासी संदीप कुमार ने संभव पोर्टल के जरिए शिकायत की थी कि टूटे हुए एलटी लाइन की चपेट में आने से पिछले साल 17 अगस्त को गुलरिहा थाना क्षेत्र के हरसेवकपुर नंबर दो निवासी राममिलन की पत्नी निर्मला देवी की मौत हो गई थी। इसके बाद बिजली निगम ने क्षतिपूर्ति देने के लिए जांच शुरू की। जांच में तहसील प्रशासन की ओर से पारिवारिक सदस्यता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया गया। इसके बाद राममिलन की ओर से इसी साल एक मार्च को खंडीय कार्यालय में उपस्थित होकर मुआवजा संबंधी पत्र पर हस्ताक्षर किया।

घर से निकली महिला की हत्या, दर्ज हुई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

वाराणसी, संवाददाता। लंका थाना क्षेत्र में बीते 26 अक्टूबर को सुबह करीब साढ़े 11 बजे स्मिता शर्मा (53) अपने घर से किसी काम के लिए निकलीं थीं। देर शाम नहीं लौटने पर परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दी थी। इस मामले में पुलिस ने एक टोटो चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। महिला के सिर पर चोट के भी निशान मिले हैं। पुलिस के अनुसार, टोटो चालक का आपराधिक इतिहास खंगाले जा रहे हैं। दूसरी तरफ, जांच–पड़ताल में महिला के पर्स से पैसे और गहने भी गायब मिले हैं। प्रथम दृष्टया अनुमान लगाया जा रहा है कि लूट की नियत से महिला की हत्या की गई है। मौके पर डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल के साथ पुलिस फोर्स भी पहुंच गई थी।

पुलिस मुठभेड़ में तस्कर के पैर में लगी गोली

कुशीनगर, संवाददाता। कुशीनगर जिले के कई थानों की पुलिस ने रविवार की सुबह विशुनपुरा–सेवरही मार्ग पर गगलवा नहर पुल के समीप गणेशापट्टी जाने वाली सड़क पर मुठभेड़ के दौरान एक पशु तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। तस्कर को पैर में गोली लगी है और वह घायल है, जिसका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पुलिस में तस्कर के पास से चार प्रतिबंधित पशु, एक बोलेरो, अवैध असलहा और नकदी को बरामद किया है। इस मामले में पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। एएसपी रितेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को सेवरही थाना क्षेत्र में यह सूचना मिली कि कुछ शातिर पशु तस्कर बोलेरो से सीमावर्ती क्षेत्र के रास्ते प्रतिबंधित पशुओं को चोरी–छिपे लेकर बिहार जा रहे हैं। इस सूचना पर तत्काल योजना बनाते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया। सेवरही, पटहेरवा, विशुनपुरा व साइबर थाने की संयुक्त पुलिस टीम की ओर से विशुनपुरा–सेवरही मार्ग पर गगलवा नहर पुल के पास गणेशापट्टी जाने वाली सड़क पर घेराबंदी कर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक बोलेरो पुलिस बैरियर को तोड़कर आता दिखा। पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया तो बोलेरो में सवार कुछ व्यक्तियों ने जंगल में पेड़ों व झाड़ियों की आड़ लेकर लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नियत से फायर कर दिया। बदमाशों की फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने फायरिंग की तो एक बदमाश की पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। घायल की पहचान विक्की प्रसाद निवासी गोपालगढ़ थाना कसया, कुशीनगर, हाल मुकाम मंगहरिया आमकोल थाना चौरा चौरी जनपद गोरखपुर के रूप में हुई। उसके पास से चार प्रतिबंधित पशु, एक ठोस लकड़ी का गोलाकार ठिहा, रस्सी व दो चाकू, एक अवैध तमंचा व कारतूस व 5300 रुपये बरामद किया गया। घायल पशु तस्कर को इलाज के लिए पुलिस अभिरक्षा में मेडिकल कॉलेज भेजा गया। एएसपी ने बताया कि मामले में तस्कर के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान यह पता चला है कि अभियुक्तों का एक संगठित गिरोह है, जो सीमावर्ती क्षेत्र के रास्ते प्रतिबंधित पशुओं को वाहनों में क्रूरता पूर्वक लादकर बिहार आदि राज्यों में ले जाकर तस्करी का कार्य करते हैं। गिरफ्तार पशु तस्कर का पुराना आपराधिक इतिहास है। इसके खिलाफ कुशीनगर व आसपास के जनपदों मे लगभग एक दर्जन मुकदमें दर्ज हैं। इंस्पेक्टर मनोज पंत, विशुनपुरा थाने के इंस्पेक्टर रामसहाय चौहान, सेवरही इंस्पेक्टर श्रीप्रकाश राय, पटहेरवा एसओ दीपक शामिल रहे।

हवा भरते समय फटा टायर, मिस्त्री की मौत

कुशीनगर, संवाददाता। रामकोला थाना क्षेत्र के एनएच–730 पर मेहदीगंज बाजार में पंचर बनाने की दुकान पर हवा भरकर टायर लगाते समय विस्फोट हो गया। इसकी चपेट में आने से पंचर मिस्त्री की मौत हो गई। टायर फटने की आवाज सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों की सूचना पर आई पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक बिहार के वैशाली जिले के मुकुंदपुर गांव का निवासी था। मेहदीगंज बाजार में एनएच–730 के किनारे यूपी बड़ौदा बैंक शाखा के समीप छह माह पूर्व बिहार के वैशाली जिले के मुकुंदपुर गांव निवासी जहांगीर (29) पुत्र कुर्बान ने टायर व पंचर बनाने की दुकान खोल थी। शनिवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे ट्रेलर के चक्के में हवा भरकर उसे फिट करते समय उसमे ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि हवा भरने वाला मिस्त्री जहांगीर ट्रेलर से करीब पांच मीटर दूर जा गिरा और टायर में लगने वाली कड़ी से उसका सिर का आधा हिस्सा बुरी तरह फट गया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह देख मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचे एसएचओ आनंद कुमार गुप्ता ने घटनास्थल का जायजा लिया और उसके परिजनों को सूचना देने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एमडीएम का अनाज लेकर जाने वाले प्रधानाध्यापक का होगा निलंबन

कुशीनगर, संवाददाता। क्षेत्र के पटेरा मंगलपुर प्राथमिक विद्यालय से चावल की बोरी ले जाते समय ग्राम प्रधान ने प्रधानाध्यापक को पकड़ा था।

इस मामले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। बीएसए के निर्देश पर बीईओ ने इस मामले की जांच की तो प्रधानाध्यापक दोषी मिले। इसे गंभीरता से लेते हुए बीईओ ने शनिवार को प्रधानाध्यापक को निलंबित करने के लिए बीएसए को संस्तुति पत्र भेज दिया।

19 अक्तूबर को प्राथमिक विद्यालय पटेरा मंगलपुर के प्रधानाध्यापक हफीजुद्दीन शाम करीब चार बजे बाइक पर एक बोरी चावल बांधकर ले जा रहे थे। इसकी जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान आद्या राय ने बाइक से हेडमास्टर का पीछा करते हुए रास्ते में पकड़ लिया। ग्राम प्रधान का आरोप था कि प्रधानाध्यापक एमडीएम का राशन ले जाकर बेच देते हैं। हालांकि प्राधानाध्यापक ने राशन चोरी न हो जाए, इसलिए वे सुरक्षित रखने घर ले जाने की बात कही थी। इस मामले का वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ था। मामले की जांच के लिए बीएसए डॉ. रामजियावन मौर्य ने विशुनपरा बीईओ को जांच कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया था। बीईओ ने मामले की जांच कर ग्राम प्रधान, स्कूल के बच्चे, अभिभावक और रसोइयों का बयान दर्ज किया। इसमें सभी ने प्रधानाध्यापक के विरुद्ध आरोप लगाए। बीईओ ने आरोपी प्रधानाध्यापक को नोटिस भी जारी कर उनका जवाब–लब किया था

3 नवम्बर को निकलने वाली भगवान चित्रगुप्त शोभायात्रा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूरे देश में यमद्वितीय भगवान चित्रगुप्त पूजन 3 नवम्बर को मनाई जाएगी उसी क्रम में जौनपुर में 3 नवम्बर दोपहर 2 बजे बारी नाथ भगवान चित्रगुप्त मन्दिर उर्दू बाजार से दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस निकलने वाली की तैयारी बैठक कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट के मियापुर आवास पर सम्पन हुई जिसमे कायस्थ समाज के सभी संगठनो एवं भगवान चित्रगुप्त पूजन समिति के लोगो ने भाग लिया शोभायात्रा जुलूस में भगवान चित्रगुप्त जी की रथ होगा जिसपर भगवान की मूर्ति होगी एवं भजन साउंड साहित बैंड बाजा झांकी आदि शामिल होगी जो उर्दू बाजार शाही पुल ओलंदगंज होते हुए रूहटा स्थित भगवान चित्रगुप्त मन्दिर तक जाएंगी पूरे देश में यमद्वितीय भगवान चित्रगुप्त पूजन 3 नवम्बर को मनाई जाएगी। कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि वे सौभाग्य शाली है कि भगवान चित्रगुप्त पूजन के दिन दो प्राचीन भगवान चित्रगुप्त मन्दिर उर्दू बाजार भगवान चित्रगुप्त मन्दिर रूहटा में पूजन दर्शन का सौभाग्य होने जा रहा है। राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने कहा कि भगवान सबके हैं जो लोग भी कलम का उपयोग प्रयोग करते हो शोभायात्रा में शामिल हो। कार्यक्रम शोभायात्रा संयोजक राकेश श्रीवास्तव साधु, भाजपा नेता सुरेश अस्थाना ने कहा कि शोभायात्रा जुलूस में हजारों भगवान चित्रगुप्त के भक्त शामिल हो रहे है ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि सभी संगठन एवं समाजसेवी संगठन के लोग भी भगवान चित्रगुप्त शोभायात्रा में शामिल होंगे। पूजन कार्यक्रम संयोजक गिरिजेश श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त के दोनों मंदिर में विधिवत पूजन किया जाएगा । वरिष्ठ नेता प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि शोभायात्रा जुलूस का जगह जगह स्वागत किया जाएगा सभी लोग 3 नवम्बर शोभायात्रा में शामिल हो। गौरव श्रीवास्तव राजा अजय वर्मा अज्जू ने कहा कि सामाजिक संगठन भी भगवान चित्रगुप्त शोभायात्रा में समर्थन दिए हैं। सभी लोग को कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई। तैयारी बैठक में डॉ संजय श्रीवास्तव विनय श्रीवास्तव, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार, संतोष श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव युवा जिलाध्यक्ष, सौरभ श्रीवास्तव अनीस श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव रवि श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, चंद्रमोहन श्रीवास्तव शशि श्रीवास्तव प्रशांत पंकज श्रीवास्तव, रितेश श्रीवास्तव अभिषेक श्रीवास्तव रोहित श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव रथ प्रभारी, संदीप श्रीवास्तव उमेश श्रीवास्तव, संतोष निगम अनुपम श्रीवास्तव विजय अस्थाना आलोक वर्मा, सोम श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे।

500 सीटों का आडिटोरियम 524 बेड के दो हास्टल बनेंगे, दीक्षांत पर शिक्षा मंत्री करेंगे भूमि पूजन

वाराणसी, संवाददाता। आईआईटी बीएचयू को 13वें दीक्षांत पर 400 करोड़ की छह परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान 28 अक्तूबर को स्वतंत्रता भवन सभागार में शुभारंभ करेंगे। इनोवेटर्स और वैज्ञानिकों के लिए छह मंजिला सेंटेनरी रिसर्च पार्क तैयार किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 500 सीटों वाला ऑडिटोरियम और 524 बेड के दो अलग–अलग हॉस्टल बनेंगे। बिल्डिंगों की सुरक्षा के लिए छह मंजिला सेंटेनरी डिफेंस एंड प्रिसिजन इंजीनियरिंग हब के लिए भी भूमि पूजन किया जाएगा। एडवांस बिल्डिंग में कन्वेंशन एरिया, डिजिटल लाइब्रेरी, समिति कक्ष, स्वागत क्षेत्र और वेटिंग लॉन्ज, 16 यात्री क्षमता की लिफ्ट, एक मालवाहक लिफ्ट, लैब, फैकल्टी चौंबर, रिसर्च ऑफिसर्स के लिए हॉल और एक कंट्रोल रूम तैयार होगा। यह हब रक्षा और प्रिसिजन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अग्रणी होगा, जिसमें यूपीएस, अग्निशामक और अलार्म सिस्टम, और 16 यात्री लिफ्ट शामिल है। आंतरिक जल आपूर्ति, अग्नि सुरक्षा प्रणाली, 16 यात्री लिफ्ट, डीजल जनरेटर सेट और जल टैंक जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

सेंटर में दो ब्लॉक होंगे

मालवीय स्टूडेंट्स एक्टिविटी और कंप्यूटिंग सेंटर में दो ब्लॉक होंगे। सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए सेंटर, स्टूडेंट कंप्यूटिंग सर्विसेज, कई वस्तुओं की दुकानें, शौचालय ब्लॉक और प्रोजेक्शन रूम होंगे।

120 कमरों का आवास

आईआईटी बीएचयू में पहली बार स्टाफ के लिए आवास बनाए जाएंगे। 80 और 40 कमरों के दो अपार्टमेंट में पर्याप्त पार्किंग, बाथरूम फिटिंग आदि व्यवस्थाएं होंगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।